दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

आप सभी को अमन लेखनी परिवार की तरफ से जन्माष्टमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

वर्ष : 12 | अंक : 250 | लखनऊ, 04 सितम्बर, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

नेपाल में विनाशकारी बाढ़

मृतकों का आंकड़ा 1252 पहुंचा, 4,875 लोग अभी लापता

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नेपाल में प्रभावित इलाकों से लगातार शव बरामद होने के साथ ही बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,252 हो गई है। नेपाल पुलिस की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा 355 शव चितवन जिले से बरामद हुए हैं। इसके बाद नवलपरासी ईस्ट से 218 और नवलपरासी वेस्ट से 208 शव मिले हैं। नवलपरासी वेस्ट के आंकड़े में भारत से बरामद कर सौंपे गए 18 शव भी शामिल हैं। इसके अलावा नुवाकोट से 177, रासुवा से 127, गोरखा से 69, धादिंग से 60 और तनाहुन से 38 शव बरामद किए गए हैं। नेपाल सेना के नेतृत्व में संयुक्त बचाव दल गुरुवार को हादसे के नौवें दिन भी प्रभावित इलाकों में तलाशी और राहत अभियान चला रहे हैं। पुलिस के अनुसार, अभी 4,875 लोगों के लापता होने का अनुमान है।

नेपाल में स्कूल के बच्चे भी अपनी क्षमता के मुताबिक बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। कई बच्चों ने अपने जेब खर्च और स्नैक्स के पैसे तक राहत के लिए दे दिए

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 410 भारतीय चीन से लौटे

हादसे के नौ दिन बाद भी प्रभावित क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी

त्रिभुवन यूनिवर्सिटी में अपनों को खोजते प्रियजन

अब तक 166 भारतीयों का रेस्क्यू

भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 166 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बुधवार को बचाए गए तीन लोग भी शामिल हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 410 भारतीय चीन से लौटे हैं।

केंद्रीय गृह सचिव ने दिए निर्देश

बाढ़ और हिमस्खलन से निपटने हमेशा रहें तैयार

भारत के केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने हिमालयी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हिमनद झीलों से बाढ़ और हिमस्खलन के जोखिमों से निपटने की तैयारियों की गुरुवार को समीक्षा की। बैठक में प्रारंभिक चेतावनी, संवेदनशील हिमनद झीलों और बर्फ से ढके क्षेत्रों की निगरानी, उच्च जोखिम वाले स्थानों की पहचान, संभावित जल-प्रवाह मार्गों का निर्धारण, चेतावनियों का समय पर प्रसार, निकासी की तैयारियों तथा प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिवों तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने संवेदनशील हिमनद झीलों की निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने, चेतावनियों के अंतिम छोर तक समयबद्ध प्रसार में सुधार की तैयारियों को मजबूत करने पर जोर दिया।

ठाणे के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री लापता, परिजन दुखी

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब तक लापता हैं। परिवार लगातार उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं, लेकिन प्रभावित इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने से उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। बाढ़ के दौरान तिमुरे स्थित चीनी इमिग्रेशन चेकपॉइंट के पास भारी तबाही हुई थी। इस घटना में स्थानीय संचार ढांचा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद लापता यात्रियों से संपर्क नहीं हो सका। अब तक जिले के डोंबिवली निवासी प्रकाश शांताराम माने और उनकी पत्नी प्रतिमा ही सुरक्षित वापस लौटे हैं।

बच्चों ने जेब खर्च बचाकर की मदद

नेपाल में स्कूल के बच्चों ने अपने जेब खर्च और स्नैक्स के पैसे तक राहत के लिए दे दिए। अछाम के शोडश माध्यमिक विद्यालय में बच्चों ने 5 नेपाली रुपए से लेकर 500 नेपाली रुपए तक दिए। इस तरह कुल 14,255 नेपाली रुपए जमा हुए। मंगलेसेन के प्रगतिशील बेसिक स्कूल में कुल 10,050 नेपाली रुपए जमा हुए। रौतहट के प्रेमपुर गोनाही माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने 470 नेपाली रुपए जुटाए। काठमांडू के मनमैजू माध्यमिक विद्यालय से 37,110 नेपाली रुपए जमा हुए।

खबर संक्षेप

दिल्ली में 11 सितंबर को सरकारी दफ्तर बंद

नई दिल्ली। दिल्ली में 11 सितंबर को छुट्टी रहेगी। दिल्ली सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। उपराज्यपाल ने 11 सितंबर को दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले सभी सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अवकाश घोषित किया है। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होगा।

अमेरिका के वर्जीनिया स्कूल में गोलीबारी

वर्जीनिया। अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के एक प्राथमिक स्कूल में बुधवार सुबह हुई गोलीबारी में एक वयस्क घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई बच्चा घायल नहीं हुआ है। वायनेसबोरो सिटी काउंसिल के सदस्य जिम वुड ने बताया कि यह घटना अलग-थलग थी और गोली चलाने वाला अब कोई खतरा नहीं है। घायल वयस्क को अस्पताल ले जाया गया है।

रक्षा कूटनीति पर अगले 10 वर्षों के लिए भारत का बड़ा रोडमैप

राजनाथ सिंह ने 'रक्षा' दस्तावेज जारी किया मित्र देशों के साथ है सहयोग बढ़ाने पर जोर

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

दस्तावेज में संयुक्त सैन्य अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा मित्र देशों के साथ रक्षा क्षेत्र के सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने की दिशा तय की गई है। इससे सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और परिचालन क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा कूटनीति पर तैयार किए गए 'रक्षा' दस्तावेज का विमोचन किया। यह व्यापक दस्तावेज अगले 10 वर्षों के लिए भारत की वैश्विक रक्षा साझेदारियों के रणनीतिक रोडमैप और दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों को सक्रिय वैश्विक सहयोग से जोड़ते हुए दीर्घकालिक स्थिरता, शांति और पारस्परिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा तय की गई है।

'रक्षा' दस्तावेज भारत की रक्षा कूटनीति में दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसका उद्देश्य बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारत की रक्षा साझेदारियों को अधिक प्रभावी बनाना और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बेहतर तरीके से जोड़ना है।

दस्तावेज में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने को प्रमुख स्तंभ के रूप में रखा गया है। इसके तहत मित्र और साझेदार देशों के साथ रक्षा संबंधों को और व्यापक बनाने तथा साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर

बहुपक्षीय सुरक्षा सहयोग को प्रभावी बनाएंगे

देश को वैश्विक रक्षा निर्माण केंद्र बनाने का लक्ष्य

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रक्षा कूटनीति पर तैयार किए गए 'रक्षा' दस्तावेज का विमोचन करते हुए

शीर्ष सैन्य और रक्षा अधिकारी रहे मौजूद

दस्तावेज के विमोचन के अवसर पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार, विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्वी) रुद्रेंद्र टंडन, वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर और चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष के एकीकृत रक्षा स्टाफ प्रमुख एयर मार्शल तेजिंदर सिंह मौजूद रहे।

समुद्री सुरक्षा में भूमिका बढ़ाने पर ध्यान

समुद्री सुरक्षा को दस्तावेज के प्रमुख स्तंभों में शामिल किया गया है। इसके तहत हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में भूमिका को और मजबूत करने पर जोर दिया गया है। समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और मानवीय सहायता के क्षेत्र में भारत की सक्रिय भूमिका को आगे बढ़ाने की दिशा तय की गई है।

स्वदेशी रक्षा उत्पादों के निर्यात को देंगे बढ़ावा

रक्षा दस्तावेज में स्वदेशी रक्षा विनिर्माण और निर्यात को भी रणनीतिक प्राथमिकता दी गई है। भारत में निर्मित रक्षा प्लेटफार्मों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देकर देश को एक विश्वसनीय वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे रक्षा उत्पादन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

रक्षा कूटनीति विदेश नीति का प्रमुख स्तंभ

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रक्षा कूटनीति भारत की विदेश नीति का एक मुख्य स्तंभ है। ऐसे में 'रक्षा' दस्तावेज अगले दशक के लिए एक स्पष्ट और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत शांति, स्थिरता और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का मजबूत स्तंभ बना रहे। रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

संयुक्त सैन्य अभ्यास और प्रशिक्षण पर फोकस

क्षमता विकास को भी रक्षा कूटनीति के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में शामिल किया गया है। दस्तावेज में संयुक्त सैन्य अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा मित्र देशों के साथ रक्षा क्षेत्र के सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने की दिशा तय की गई है। इससे सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और परिचालन क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

सैन्य सहयोग पर मंथन

राजनाथ ने बेल्जियम के रक्षा मंत्री के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

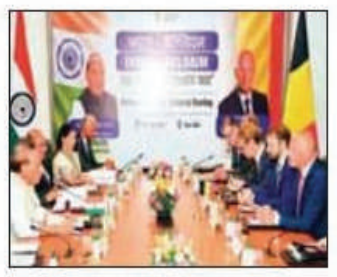

राजनाथ सिंह और थियो फ्रैंकन की बैठक

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को बेल्जियम के रक्षा एवं विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने रक्षा एवं औद्योगिक सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा सहयोग वार्ता, उच्च स्तरीय यात्राओं, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा के मुद्दों पर भी चर्चा की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग की आवश्यकता को स्वीकार किया। उन्होंने दोहराया कि भारत और बेल्जियम के बीच साझेदारी आपसी विश्वास और सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय भारी भू-राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल से गुजर रही है।

भारत की तकनीकी क्षमता प्रशंसनीय

बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रैंकन ने तकनीकी क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम आपसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। आप एक हाई-टेक्नोलॉजी वाले देश हैं। आप सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों में से एक हैं। हमें सच में साथ मिलकर काम करने की जरूरत है क्योंकि बेल्जियम एक पुराना पश्चिमी यूरोपीय देश है जिसके पास बहुत सारी टेक्नोलॉजी है। लेकिन हमें भारत जैसे देशों की जरूरत है। हमें भविष्य के प्रोजेक्ट्स पर सहयोग करने की जरूरत है। बेल्जियम के लिए यही आगे बढ़ने का रास्ता है। फ्रैंकन ने कहा कि भविष्य के प्रोजेक्ट्स पर सहयोग के लिए बेल्जियम को भारत जैसे देशों की जरूरत है। उन्होंने याद किया कि कैसे देश ने मार्च 2025 में प्रिंसेस एस्ट्रिड के साथ भारत में अपना अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक मिशन भेजा था। इसे 'आपसी, नई दोस्ती और रिश्ते' की दिशा में पहला कदम बताया था।

रक्षा साझेदारी मजबूत करने का आह्वान

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हाल ही में हुई भारत-बेल्जियम रणनीतिक बातचीत ने रक्षा और सुरक्षा समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है। सिंह ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और बढ़ाने की काफी संभावना है। खासकर उनके रक्षा उद्योगों के बीच आपसी जुड़ाव को मजबूत करके। उन्होंने कहा कि हम बेल्जियम और भारत की रक्षा कंपनियों के बीच ज्यादा सहयोग का स्वागत करते हैं। भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने का आह्वान किया।

चीनी छात्र ने पकड़ा 40 वैज्ञानिकों का फर्जीवाड़ा

बीजिंग। चीन में एक पूर्व पीएचडी छात्र गेंग होंगवेई के रिसर्च पेपर में गड़बड़ियां पकड़ने के बाद 40 से ज्यादा रिसर्चर्स पर कार्रवाई हुई है। चीन की प्रमुख रिसर्च फंडिंग संस्था नेशनल नेचुरल साइंस फाउंडेशन ऑफ चाइना ने 31 मामलों में कार्रवाई की है। संस्था ने संबंधित रिसर्च फंडिंग और सम्मान वापस ले लिए। उन्हें पहले मिली 1 करोड़ युआन से ज्यादा यानी करीब 15 लाख डॉलर की रिसर्च ग्रांट लौटाने का आदेश दिया गया। साथ ही तीन से सात साल तक संस्था की फंडिंग के लिए दोबारा आवेदन करने पर रोक लगा दी गई।

यूक्रेन पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

कहा- भारत 'मध्यस्थता' के लिए तैयार, जेलेंस्की से की मुलाकात

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर गुरुवार को यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की।

जेलेंस्की से मिलते

इससे पहले उन्होंने यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ मुलाकात की। जयशंकर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद के लिए तैयार है। उन्होंने जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता करने की भी पेशकश की है। जयशंकर ने ब्लैक सी में भारतीयों समेत सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है।उन्होंने कहा कि युद्ध का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने जयशंकर के कीव दौरे को अहम बताया। उन्होंने कहा कि रूसी हमलों के बीच भारतीय विदेश मंत्री की यह यात्रा खास मायने रखती है।

राजदूत सर्जियो गोर ने की पुष्टि

अगली भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता यूएस में, गोयल होंगे शामिल

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस महीने के अंत में अमेरिका की यात्रा करेंगे, जहां वह जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच जारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता पर चर्चा करेंगे। यह जानकारी भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को दी। एक कार्यक्रम में गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका अपने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और वार्ता में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आने वाले हफ्तों में वॉशिंगटन में जी20 वार्ता की मेजबानी के दौरान गोयल अमेरिका का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारें ऐसे व्यापारिक संबंध बनाने की दिशा में काम कर रही हैं, जो निष्पक्ष, पारस्परिक और दोनों देशों के लिए लाभकारी हों।

दही हांडी फोड़कर मनाएंगे जन्माष्टमी

जन्माष्टमी से पूर्व जम्मू में कृष्ण का वेश धरे लड़के ने दही हांडी फोड़ी

देश के कृष्ण मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

नई दिल्ली। देशभर में शुक्रवार (4 सितंबर) को बड़े धूमधाम से जन्माष्टमी मनाई जाएगी। इसके एक दिन पहले भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा के मंदिरों में हजारों भक्तों की भीड़ उमड़ी तो मुंबई में दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया। दिल्ली के इस्कॉन मंदिर में भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। जन्माष्टमी का त्योहार भगवान कृष्ण के जन्म के अवसर पर मनाया जाता है। श्रीनगर में भी जन्माष्टमी की धूम रही। कई मंदिरों में बालगोपाल की प्रतिमाओं को झूलों पर सजा गया था। राजस्थान के राजसमंद जिले के नाथद्वारा और राजधानी जयपुर के आराध्य देव गोविंददेव जी सहित सभी प्रमुख मंदिरों को जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशेष तौर पर सजाया गया। सभी मंदिरों में सुबह से भगवान के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई।

चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर कीमती गहने व अन्य सामान किया चोरी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर कीमती गहने व अन्य सामान चोरी कर लिया। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के रहीमाबाद स्थित स्पर्श पैराडाइज निवासी रमेश चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक 27 अगस्त को वह घर में ताला बंद कर अपनी पत्नी और बेटी के साथ रक्षाबंधन के अवसर पर पानीपत स्थित बेटे के घर गए थे। अगले दिन 28 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे वापस लौटे तो मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। साथ ही घर में रखी लाखों रुपए कीमत की ज्वैलरी, एलईडी टेलीविजन और सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर गायब मिला। बाद में पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों का सुराग लगाने में जुटी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में नाबालिग किशोरी लापता

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र से बुधवार को एक 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद उसके नाना ने एक व्यक्ति पर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा थाना क्षेत्र में रहने वाले पीड़ित के मुताबिक काकोरी थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली उनकी 15 वर्षीय नातिन पिछले कई दिनों से उनके घर पर रह रही थी। पीड़ित का कहना है कि दो सितंबर की शाम करीब चार बजे उनकी नातिन घर से सड़क तक जाने की बात कहकर निकली थी। लेकिन इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। काफी देर तक घर न पहुंचने पर उसकी खोजबीन की गयी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित का कहना है कि उनकी नातिन कुछ मोबाइल नंबरों पर बातचीत करती थी। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर बंथरा पुलिस उक्त मोबाइल नंबरों के आधार पर किशोरी और आरोपी का पता लगा रही है।

पुलिया के ऊपर बह रहा बेहता नाला, बच्चों की सुरक्षा पर संकट

तीन साल पहले इसी नाले में डूबकर हुई थी 11 वर्षीय करन की मौत, हर बारिश में दोहराता है खतरा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र के झाऊबेरिया गांव में लगातार हो रही तेज बारिश से बेहता नाला एक बार फिर उफान पर है। गांव के मुख्य रास्ते पर बनी नीची पुलिया के ऊपर से पानी तेज बहाव के साथ गुजर रहा है। ऐसे में इस रास्ते से गुजरने वाले ग्रामीणों और खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में भय का माहौल है। पुलिया के दोनों ओर सुरक्षा के लिए न तो रेलिंग लगी है और न ही किसी तरह की मजबूत रुकावट है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात में हर साल यह समस्या सामने आती है। बारिश अधिक होने पर नाले का पानी पुलिया के ऊपर से बहने लगता है, जिससे रास्ते से गुजरना जोखिम भरा हो जाता है। करीब तीन वर्ष पहले इसी बेहता नाले के तेज बहाव में

मौके का निरीक्षण करती मलिहाबाद तहसीलदार

पुलिया की रेलिंग पर भरा पानी

झाऊबेरिया निवासी रामखेलावन का 11 वर्षीय बेटा करन बह गया था। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई थी। इस दर्दनाक हादसे के बावजूद अब तक पुलिया पर स्थायी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं। ग्राम प्रधान सुरसती ने बताया कि गांव की आबादी करीब दस हजार है। झाऊबेरिया के अलावा आसपास के कई गांवों के ग्रामीण भी इसी रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। रोजाना बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल जाने के लिए पुलिया से होकर गुजरते हैं। पानी का बहाव तेज होने पर अभिभावक बच्चों को अकेले भेजने से डरते हैं। कई बार ग्रामीण खुद बच्चों को पुलिया पार कराते हैं। ग्रामीणों ने पुलिया को ऊंचा कराने, दोनों ओर रेलिंग लगाने और नाले के बहाव को देखते हुए स्थायी सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की है। तहसीलदार कुमकुम मिश्रा ने बताया कि पुलिया नीची होने के कारण अधिक बारिश में सड़क पानी में डूब जाती है और बहाव पुलिया के ऊपर से होने लगता है। मौके पर जाकर ग्रामीणों से बातचीत की गई है। बच्चों को अकेले पुलिया पार न करने देने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम प्रधान को पुलिया के दोनों ओर रस्सी बांधकर तत्काल अस्थायी सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

वाराणसी से दिल्ली जा रही फ्लाइट के कार्गो डिब्बे से धुएं के संकेत मिलने पर मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। एयर इंडिया एक्सप्रेस की वाराणसी से दिल्ली जा रही फ्लाइट (आईएक्स-1253) में गुरुवार सुबह कार्गो डिब्बे से धुएं के संकेत मिलने पर हड़कंप मच गया। विमान में सवार यात्रियों को जानकारी हुई तो वह दहशत में आ गए। वहीं रास्ते में विमान के पिछले हिस्से से धुआं उठने का संदेह होने पर पायलट ने एहतियाती कदम उठाते हुए विमान को लखनऊ हवाई अड्डे पर उतारने का निर्णय लिया। इसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट पर एटीसी को सूचना देते हुए विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने की अनुमति मांगी। बाद में एटीसी से लैंडिंग की अनुमति मिलते ही विमान को सुबह करीब 8:52 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। विमान की लैंडिंग होने के बाद उसे टैक्सी वे पर लाया गया। इसके बाद विमान में सवार 155 यात्रियों और क्रू मेंबर को सुरक्षित रूप से विमान से उतारने के साथ आनन-फानन एयरपोर्ट की फायर टीम के साथ ही अन्य संबंधित एजेंसियों को भी इसकी सूचना दी गई। सूचना के बाद पहुंची फायर टीम ने विमान का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया, लेकिन जांच के दौरान विमान में कहीं भी धुआं उठता नहीं नजर आया। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि विमान की जांच पड़ताल के दौरान ज्यादा समय लगते देख एयरलाइन द्वारा उस पर सवार यात्रियों के टिकट के पैसे उन्हें रिफंड कर दिए गए। इसके बाद कुछ यात्री दूसरे विमान से दिल्ली रवाना हो गए, जबकि कुछ वापस चले गए।

पीएम श्री विद्यालय निगोहा में जन्माष्टमी की धूम, राधा-कृष्ण बने बच्चों ने मोहा मन

अमन लेखनी समाचार

निगोहा। पीएम श्री विद्यालय निगोहा में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया भक्ति गीतों और आकर्षक झांकियों से पूरा विद्यालय परिसर कृष्णमय हो उठा कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया इसके बाद बच्चों ने कृष्ण जन्म, माखन चोरी और रासलीला पर आधारित नृत्य व भजन प्रस्तुत किए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों की प्रस्तुतियों पर अभिभावकों और शिक्षकों ने जमकर तालियां बजाईं भगवान श्रीकृष्ण की झांकी आकर्षण का केंद्र रही प्रधानाध्यापिका ममता वर्मा ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय में शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जाता ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना का विकास करते हैं। कार्यक्रम में

विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी और अभिभावक मौजूद रहे सभी ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की।

पिता के ऊपर बांके से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर पुलिस ने पिता की हत्या के प्रयास के मामले में पिछले करीब 6 माह से वांछित चल रहे एनबीडब्ल्यू वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बांका भी बरामद किया है। गौरतलब है कि सरोजनीनगर के बेहसा निवासी मजदूर संतलाल रावत (60) की पत्नी की 5 साल पहले कैंसर की बीमारी से मौत हो गई थी। संतलाल के पाँच विवाहित बेटियां और इकलौता बेटा नीरज है। नीरज नशेड़ी पृवत्ति का है। नीरज ने 11 मार्च 2026 की दोपहर करीब 3 बजे बिजली का बिल जमा कर घर लौटे अपने पिता संतलाल से शराब के नशे में रुपए मांगे थे। संतलाल ने रुपए देने से मना किया तो नीरज ने संतलाल के ऊपर बांके से ताबड़तोड़ हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया था। बाद में घटना अंजाम देकर आरोपी वहां से फरार हो गया। जिसके बाद संतलाल

को लोक बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में संतलाल के दामाद बंथरा के मवई चौराहा निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने सरोजनीनगर थाने में नीरज के खिलाफ जान से मारने की नीयत से संतलाल की गर्दन और कंधे पर बांके से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आरोपी नीरज लगातार फरार चल रहा था। जिस पर न्यायालय से उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू वारण्ट जारी हुआ एनबीडब्ल्यू वारंट जारी होने के बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर सरोजनीनगर पुलिस ने गुरुवार तड़के उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान उसके पास से वारदात में प्रयुक्त एक बांका बरामद हुआ। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ वर्ष 2021 में धारा 302 भादवि के तहत भी सरोजनीनगर थाने में मुकदमा दर्ज है। फिलहाल पुलिस ने बरामद बांका कब्जे में लेने के साथ आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

नगर निगम की जमीन पर कब्जे का आरोप, भूमाफिया पर प्लॉटिंग का आरोप

आईजीआरएस पर गलत रिपोर्ट भेजने की भी शिकायत, एसडीएम ने एक सप्ताह में मांगी जांच रिपोर्ट

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सरोजनीनगर तहसील क्षेत्र के सदरौना गांव में करोड़ों रुपये कीमत की सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जे और प्लॉटिंग किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता ने नगर निगम के लेखपाल पर भू-माफियाओं से मिलीभगत कर आईजीआरएस पोर्टल पर भ्रामक रिपोर्ट भेजने का भी आरोप लगाया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सरोजनीनगर एसडीएम ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। शिकायत के मुताबिक, ग्राम सदरौना में खसरा संख्या 2017 की 0.2700 हेक्टेयर और खसरा संख्या 2018 की 0.1720 हेक्टेयर सरकारी बंजर भूमि पर प्लॉटिंग कर कब्जा किए जाने की शिकायत की गई है। आरोप है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारी भू-माफियाओं के साथ मिलकर शिकायतों का निस्तारण करने के नाम पर मनगढ़ंत रिपोर्ट शासन के आईजीआरएस पोर्टल पर भेज रहे हैं। मामले में अपर नगर आयुक्त को पत्र भेजकर जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम सरोजनीनगर ने संबंधित अधिकारियों से एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट मांगी है। बताया गया कि पूर्व में मौके पर आबादी विकसित हो जाने और संबंधित पक्षों के असंतुष्ट रहने के कारण भूमि का सही सीमांकन नहीं हो सका था। अब ईटीएस मशीन के माध्यम से वैज्ञानिक तरीके से सीमांकन कराने की तैयारी की जा रही है। इससे सरकारी भूमि की वास्तविक स्थिति और उस पर हुए कथित कब्जे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अपर आयुक्त प्रशासन ने कर्मचारियों अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि अबकी बार अगर जांच रिपोर्ट गलत तरीके से भेजी गई तो उसमें शामिल कर्मचारियों अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दो नाबालिग लापता, गुमशुदगी दर्ज

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के हीरालालखेड़ा गांव से 10 वर्षीय जावेद और 9 वर्षीय कुर्बान के लापता होने का मामला सामने आया परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनों बच्चों की तलाश शुरू कर दी पुलिस के मुताबिक हीरालालखेड़ा मजरा सिसेंडी निवासी शफीक ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उनका 10 वर्षीय पुत्र जावेद और 9 वर्षीय भांजा कुर्बान 22 अगस्त को बिना किसी को बताए घर से निकल गए परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की, लेकिन दोनों बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला। सूचना पर मोहनलालगंज पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया पुलिस आसपास के इलाकों में तलाश अभियान चलाने के साथ ही बच्चों के संभावित ठिकानों और उनके लापता होने के कारणों की जांच कर रही पुलिस का कहना है कि बच्चों की तलाश के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे और जल्द ही उन्हें सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

सई का रौद्र रूपः बंधा टूटा, सैकड़ों बीघे फसल जलमग्न; किसानों में बढ़ी चिंता

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सई नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से नदी किनारे बसे गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए जवाहरखेड़ा के पास बंधा टूटने से नदी का पानी खेतों और खलिहानों तक पहुंच गया जिससे धान उड़द और तिल की सैकड़ों बीघे फसल जलमग्न हो गई फसल बर्बाद होने की आशंका से किसानों की चिंता बढ़ गई सई नदी पूरे उफान पर रही जवाहरखेड़ा का बंधा पानी में डूब गया नदी किनारे बसे जवाहरखेड़ा रात रंजीतखेड़ा, तारापुर, अघईया समेत करीब एक दर्जन गांवों की कृषि भूमि प्रभावित हो रही नदी का पानी तेजी से खेतों में फैलने से निचले इलाकों की फसलें डूब गई। जवाहरखेड़ा निवासी किसान रामभरोसे ने बताया कि कई वर्षों बाद सई नदी ने इतना विकराल रूप देखा बंधा टूटने के बाद पानी तेजी से खेतों में घुस गया और धान की पूरी फसल डूब गई वहीं किसान मुन्नीलाल का कहना है कि यदि दो-तीन दिन तक पानी नहीं उतरा तो पूरी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। वही किसान शिवबालक ने बताया कि बांक नाला भी उफान पर जिससे पानी लगातार खेतों में भर रहा राजाराम ने कहा कि धान की फसल इस समय बढ़वार के महत्वपूर्ण चरण में ऐसे में जलभराव से भारी नुकसान होना तय किसान रामसुमिरन और सरवन ने बताया कि उड़द और तिल की फसल भी पानी में डूब चुकी वहीं रामकुमार, राजेंद्र, बबलू, घसीटे, धीरेंद्र, लवली, बउवा और नन्हके ने प्रशासन से तत्काल राहत दिलाने, टूटे बंधे की मरम्मत कराने तथा फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की। वही ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द जलस्तर कम नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ सकता बाढ़ की आशंका को देखते हुए नदी किनारे बसे गांवों के लोगों में दहशत का माहौल है। प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर शीघ्र राहत कार्य शुरू करने की मांग की गई।

निगोहां थाने में गूंजेंगे 'नंद के घर आनंद भयो' के जयकारे

एसीपी, थाना प्रभारी समेत पुलिसकर्मी मनाएंगे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, रात 12 बजे होगी महाआरती

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां थाना परिसर में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा उल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया जाएगा पर्व को लेकर थाने में भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई पूरे परिसर को फूलों रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक विद्युत सजावट से सजाया गया कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई। जन्माष्टमी महोत्सव में एसीपी मोहनलालगंज, थाना प्रभारी रविंद्र कुमार थाने के सभी उपनिरीक्षक पुलिसकर्मी एवं अन्य कर्मचारी शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करेंगे शाम को भजन-कीर्तन का आयोजन होगा जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के भजनों से पूरा थाना परिसर भक्तिमय हो उठेगा रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महाआरती संपन्न होगी। निगोहां थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि थाने में प्रत्येक वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन परंपरागत रूप से किया जाता इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों के बीच आपसी सौहार्द सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक वातावरण को बढ़ावा देना उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं पत्रकारों को भी आमंत्रित किया गया। पूजा-अर्चना और महाआरती के उपरांत उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा पुलिसकर्मियों का कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों से कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता तथा आपसी समन्वय और भाईचारा भी मजबूत होता इसी उद्देश्य के साथ इस वर्ष भी जन्माष्टमी उत्सव को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाने की तैयारियां की गई हैं।

उमराह और मक्का-मदीना की जियारत कराने के नाम पर लाखों रुपए हड़पने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर के कानपुर रोड, 32वीं वाहिनी पीएसी निवासी निजामुद्दीन ने बाजार खाला के ऐशबाग स्थित मछली मोहल्ला निवासी कारी नशीम कौसर, सहारनपुर के सहमदार स्थित अंसारियान मोहल्ला निवासी मो. सुफियान और सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर, शहीद पद, नई बस्ती निवासी मो. शाहजहां पर उमराह और मक्का-मदीना की जियारत कराने के नाम पर 11 लोगों से 6.75 लाख रुपये लेने और निर्धारित समय पर यात्रा न कराने का आरोप लगाया है। पीड़ित निजामुद्दीन ने इसकी शिकायत संयुक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम) से की। निजामुद्दीन के मुताबिक मो. शाहजहां के माध्यम से कारी नसीम कौसर और मो. सुफियान को 11 लोगों ने कुल 6.75 लाख रुपये दिए थे। आरोप है कि ट्रांसपोर्ट नगर, कानपुर रोड स्थित अलसफा टूर एंड ट्रैवेल्स के मालिक सुफियान ने सभी को 25 जनवरी से पांच फरवरी के बीच उमराह पर भेजने का भरोसा दिया था। लेकिन आरोप है कि उमराह व मक्का मदीना की जियारत के लिए भेजना तो दूर, बल्कि निर्धारित तिथि बीतने के बाद भी न तो आरोपियों ने पासपोर्ट मांगे और न ही उन्हें टिकट व वीजा उपलब्ध कराया। पीड़ित का कहना है कि उसने इससे पहले 15 दिसंबर 2025 को पुलिस महानिरीक्षक (लोक शिकायत) से भी शिकायत की थी। आरोप है कि तब कार्रवाई के दौरान सुफियान ने तय तिथि पर यात्रा कराने का आश्वासन दिया, लेकिन इसके बाद भी यात्रा पर नहीं भेजा। आरोप है कि आरोपियों ने निजामुद्दीन व अमीना खातून से 92000 रुपये, मो. आरिफ व जुमेरतुल से 92000 रुपये, माजिद अली व शकीला से 146000 रुपये, मो. शब्बीर व शखीरा बेगम से 146000 रुपये, सरफराज अहमद व कहकशां बानो से 128000 रुपये और इदरीश से 71000 रुपये (कुल 675000 रुपये) लिए। फिलहाल संयुक्त पुलिस आयुक्त के आदेश पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसके स्कूल में मना जन्माष्टमी उत्सव

सपा जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक ने बच्चों का बढ़ाया उत्साह

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। डलौना स्थित एसके पब्लिक हाई स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जय सिंह जयन्त और पूर्व विधायक अम्बरीश सिंह पुष्कर शामिल हुए विद्यालय प्रबंधक सुशील कुमार शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में छात्र-छात्राओं ने राधा-कृष्ण की वेशभूषा में मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया और विद्यालय परिसर भक्तिमय हो गया। पूर्व विधायक अम्बरीश सिंह पुष्कर ने कहा कि शिक्षा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास और प्रतिभा निखरती उन्होंने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं

भाजपा की सत्यापन कार्यशाला संपन्न

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। भारतीय जनता पार्टी के निगोहां मंडल की मंडल कार्यसमिति एवं शक्ति केंद्र संयोजक-बूथ अध्यक्ष सत्यापन कार्यशाला गुरुवार को मंडल कार्यालय में आयोजित हुई। कार्यशाला में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई वही मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री कैप्टन विकास सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती का आधार सक्रिय बूथ और समर्पित कार्यकर्ता उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों को गांव-गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने और प्रत्येक बूथ पर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया जिला मंत्री एवं मंडल प्रभारी मुकेश शर्मा, मंडल प्रवासी अमित सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिव सहाय सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपू बाजपेई, ब्लॉक प्रमुख मोहनलालगंज ओमप्रकाश शुक्ला, पंकज चौधरी, अवधेश द्विवेदी एवं विजय कुमार मौर्य ने भी संगठनात्मक विषयों पर अपने विचार रखे। कार्यशाला में मंडल कार्यसमिति, शक्ति केंद्र संयोजकों एवं बूथ अध्यक्षों का सत्यापन किया गया साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए बूथ स्तर पर समन्वय बढ़ाने और प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री नवीन मिश्रा, प्रांशु चौरसिया, मंडल उपाध्यक्ष बीएन तिवारी, शक्ति केंद्र संयोजक बद्री विशाल बाजपेई, इंजीनियर राजेंद्र सिंह, दिनेश सैनी, दिनेश कुशवाहा, नागेश अवस्थी, सोनू राजवंशी, शरद पांडेय, राजकिशोर सिंह, नरेंद्र रावत, राजू द्विवेदी, सुनील त्रिवेदी, अरुण वर्मा, राजेंद्र मौर्य, अनुपम तिवारी, मंडल मीडिया प्रभारी सचिन द्विवेदी, उत्कर्ष शर्मा, शिवकुमार चौरसिया, कन्हैयालाल, विकास चौरसिया, शिवशंकर, कृपाशंकर, प्रशांत तिवारी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ताला तोड़कर 13 बकरियां चोरी, कार्रवाई के लिए भटकता रहा पीड़ित

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। हुलासखेड़ा गांव में चोरों ने घर का ताला तोड़कर 13 बकरियां चोरी कर लीं पीड़ित मातादीन ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई, लेकिन आरोप है कि उसे चौकी से लेकर कोतवाली तक भटकना पड़ा। मातादीन के मुताबिक मंगलवार रात करीब 12:20 बजे सभी बकरियां कमरे में बंधी थीं और कमरे में ताला लगा था। सुबह उठने पर ताला टूटा मिला और अंदर बंधी सभी 13 बकरियां गायब थीं काफी तलाश के बाद भी उनका पता नहीं चल सका पीड़ित ने 112 नंबर पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वही पीड़ित का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में घटना के समय पीली नंबर प्लेट वाली मारुति कार दिखाई दे रही चोरी के बाद वह हुलासखेड़ा चौकी पहुंचा।

संक्षेप

स्लैप डालने के दौरान करंट की चपेट में आने से युवक घायल

उन्नाव। जैतीपुर गांव में गुरुवार दोपहर मकान की स्लैप डालने के दौरान एक व्यक्ति करंट की चपेट में आकर घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवाबगंज लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार चल रहा है। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के जैतीपुर गांव निवासी घनश्याम (47) पुत्र बद्री प्रसाद के घर पर गुरुवार को स्लैप डाली जा रही थी। घनश्याम का बेटा पंकज ने बताया कि दोपहर के समय उसके पिता स्लैप डालने के कार्य में मौजूद थे। इस दौरान वह तसला उठाकर सामान दे रहे थे, तभी अचानक करंट की चपेट में आ गए और गिर पड़े। परिजनों के अनुसार, निर्माण कार्य में इस्तेमाल हो रही ग्लाइडर मशीन का बिजली का तार कहीं से कटा होने की आशंका है, जिसके चलते घनश्याम को करंट लग गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन उन्हें निजी साधन से सीएचसी नवाबगंज लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार जारी है।

अनियंत्रित ट्रक विद्युत पोल से टकराया टला बड़ा हादसा

उन्नाव। झांसी से गिट्टी लादकर आ रहा एक डम्फर भोर पहर अजगैन कोतवाली के निकट अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली का पोल टूटकर पास स्थित एक होटल पर जा गिरा। गनीमत रही कि हादसे के समय होटल के आसपास कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया और बड़ा हादसा टल गया। पोल गिरने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पावर हाउस में फोन कर बिजली आपूर्ति बंद कराई, जिससे किसी अनहोनी की आशंका को टाला जा सके। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डम्फर को कब्जे में ले लिया है। कोतवाली निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि बिजली विभाग के जेई विष्णुकांत शुक्ला की तहरीर पर अज्ञात डम्फर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला नसीमगंज स्थित आसरा कॉलोनी में गुरुवार को महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को मृत अवस्था में पाया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया है कि नगर के मोहल्ला गुलाम मुस्तफा निवासी राजू शर्मा मजदूरी करता है और पिछले कई वर्षों से आसरा कॉलोनी में रह रहा है। उसकी पत्नी शशि शर्मा 28 वर्षीय संदिग्ध कारणों से मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट होने की बात कही जा रही है।

राधा-कृष्ण के रूप में सजीं छात्राएं तो वृंदावन बन गया विद्यालय विजेताओं को मिला सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज गोपीनाथपुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में गुरुवार को आयोजित रूप सज्जा प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा से ऐसा समां बांधा कि विद्यालय का सभागार वृंदावन, नंदगांव और बरसाना की झलक देने लगा। कक्षा छह से आठ तक की छात्राओं ने राधा-कृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। राधा के रूप में सजी छात्राओं की आकर्षक वेशभूषा और कृष्ण के स्वरूप में सजी छात्राओं के मुकुट व श्रृंगार ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ कीर्ति ज्वैलर्स के उद्यमी राजेश बाजपेयी, विद्यालय की पूर्व छात्रा कीर्ति बाजपेयी और प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पुष्प अर्पित कर मां सरस्वती की वंदना की गई। इसके बाद रूप सज्जा प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

राधा-कृष्ण के रूप ने खींचा सबका ध्यान

प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने राधा और कृष्ण के स्वरूप को जीवंत कर दिया। पारंपरिक पोशाक, मुकुट, आभूषण और आकर्षक श्रृंगार में सजी छात्राओं को देखकर अभिभावक और अतिथि भी मंत्रमुग्ध नजर आए। सभागार में मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम की आयोजिका प्रीति शुक्ला और रंजना दीक्षित ने निर्णायकों के साथ मिलकर छात्राओं की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। उत्कृष्ट रूप सज्जा करने वाली छात्राओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वंशी निर्माण प्रतियोगिता के विजेता भी सम्मानित

कार्यक्रम में वंशी निर्माण प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति रुचि पैदा करना है।

कार्यक्रम का संचालन प्रीति शुक्ला ने किया। आयोजन में बड़ी संख्या में अभिभावक, नगर के गणमान्य नागरिक और पत्रकार मौजूद रहे। इस दौरान कई कलमकारों को विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह ने अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

राधा-कृष्ण की झांकी और छात्राओं की प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर पूरे समय भक्ति और उल्लास के रंग में डूबा रहा। अभिभावकों ने आयोजन की सराहना करते हुए छात्राओं के प्रदर्शन की प्रशंसा की।

शुक्लागंज-कानपुर नवीन गंगा पुल / 11 साल में ही उखड़ गई सड़क, निकली सरिया

अमन लेखनी समाचार

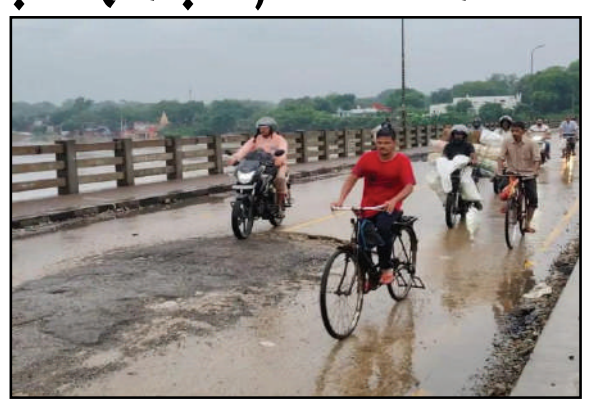

उन्नाव।शुक्लागंज से कानपुर को जोड़ने वाले नवीन गंगा पुल की हालत 11 साल में ही खराब होने लगी है। वर्ष 2015 में बने इस पुल की सड़क जगह-जगह टूट गई है। दो जगह डामर उखड़ने से बड़े गड्ढे बन गए हैं और लोहे की सरिया बाहर निकल आई है।

सरिया बाहर आने से बाइक सवारों के साथ ही कार चालकों के लिए भी हादसे का खतरा बढ़ गया है। इसके बावजूद विभाग ने अभी तक स्थायी मरम्मत नहीं कराई है।

यह पुल शुक्लागंज और कानपुर के बीच आवागमन का मुख्य रास्ता है। हर दिन हजारों छोटे-बड़े वाहन यहां से गुजरते हैं। लगातार वाहनों का दबाव और बारिश के चलते गड्ढे और गहरे होते जा रहे हैं।

गड्ढों और सरिया से बचने के लिए चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे पीछे से आ रहे वाहनों के टकराने का डर बना रहता है। पुल पर पहुंचते ही गाड़ियों की रफ्तार धीमी हो जाती है और सुबह-शाम जाम की स्थिति बन जाती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार गड्ढों में टायर फंसने और सरिया से टायर फटने की घटनाएं हो चुकी हैं। लोगों का आरोप है कि विभाग कई बार गड्ढों को भरकर खानापूर्ति कर देता है, लेकिन कुछ दिन बाद सड़क फिर उखड़ जाती है लोगों ने पुल की सड़क की गुणवत्ता की जांच और स्थायी मरम्मत की मांग की है। लोगों का कहना है कि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है। इस मामले में पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन एचडी अहिरवार ने बताया कि मरम्मत के लिए स्पेशल मटेरियल का कोटेशन भेजा गया है। मटेरियल आते ही क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरुस्त करा दिया जाएगा।

लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पर अज्ञात युवक घायल मिला, अस्पताल में मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के त्रिभुवन खेड़ा के पास लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार देर रात एक अज्ञात युवक घायल अवस्था में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 1033 एंबुलेंस के कर्मी संतोष ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रात करीब 11 बजे की है। हाईवे से गुजर रहे राहगीरों ने सड़क किनारे युवक को गंभीर हालत में पड़ा देखा और पुलिस व एंबुलेंस को जानकारी दी। सूचना पर गंगाघाट कोतवाली पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया। पहचान न हो पाने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया आशंका है कि किसी अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मार दी होगी। पुलिस हाईवे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक कर रही है। आसपास के थानों को भी मृतक के हुलिये की जानकारी भेजी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

अवैध 30 लीटर कच्ची शराब समेत दो महिला गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने बीघापुर क्षेत्र में छापेमारी कर 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से दो महिलाओं को पकड़ा। दोनों के खिलाफ थाना बिहार में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया है।

जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जिले में अवैध मदिरा के निर्माण और बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 2 सितंबर को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 बीघापुर प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से बिहार थाना क्षेत्र के केदारखेड़ा गांव में दबिश दी। दबिश के दौरान टीम को अवैध रूप से रखी गई कच्ची शराब मिली। जांच के बाद मौके से 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पकड़ी गई महिलाओं की पहचान अनीता पत्नी सुरेंद्र और प्रभु देई पत्नी स्वर्गीय सुंदर, दोनों निवासी केदारखेड़ा, थाना बिहार के रूप में हुई है। आबकारी विभाग की कार्रवाई के बाद दोनों के खिलाफ थाना बिहार में आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और अवैध शराब के निर्माण, बिक्री तथा परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आदर्श नगर नहर में मिले शव की शिनाख्त

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली इलाके में आदर्श नगर नहर किनारे मिले अज्ञात शव की पहचान बुधवार को हो गई। मृतक की पहचान शेखपुर नहर के रहने वाले 52 साल के बबलू बाजपेई के रूप में हुई है। पुलिस ने 30 अगस्त को नहर से शव बरामद किया था, जिसे पहचान न होने पर मोर्चरी में रखवा दिया गया था। बुधवार शाम सोशल मीडिया पर खबर देखकर बबलू के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शव की शिनाख्त बबलू बाजपेई पुत्र रवि नारायण के रूप में की। बताया गया कि बबलू शेखपुर नहर में गुप्ता जी की दुकान पर काम करते थे। घरवालों ने बताया कि 29 अगस्त को रक्षाबंधन वाले दिन बबलू शाम लगभग चार बजे घर से बाहर जाने की बात कहकर निकले थे, जिसके बाद लौटकर नहीं आए। देर तक वापस न आने पर परिवार ने रिश्तेदारों से पूछताछ की और आसपास खोजबीन शुरू की। उधर 30 अगस्त को आदर्श नगर नहर के पास शव पड़े होने की सूचना पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाया और शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं हो पाई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखवा दिया गया। बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए अज्ञात शव रखे होने की जानकारी परिवार तक पहुंची तो परिजन शाम करीब चार बजे मोर्चरी पहुंचे। शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। बबलू के परिवार में एक बेटी है। पत्नी लक्ष्मी की करीब 10 साल पहले बीमारी के चलते मौत हो चुकी है, जबकि मां सरोजिनी बाजपेई का भी पहले ही निधन हो गया है। पुलिस का कहना है कि बबलू की मौत डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई और वजह है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

सीएचसी परिसर में लगी एक्सरे मशीन बनी शोपीस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एक्सरे सुविधा अब फिर राम भरोसे हो गयी है। करीब 20 दिन से अधिक समय से टेक्निकल समस्या होने से एक्सरे जांच सुविधा ठप पड़ी है। मशीन खराब होने से सैकड़ो मरीजों की प्राइवेट एक्सरे कराने पर समस्याओं का दंश झेलना पड़ रहा है।

सीएचसी बिछिया में एक्सरे सुविधा की शुरुआत होने से क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल था।उनको आस थी कि सीएचसी में इलाज के साथ एक्सरे जांच सुविधा होने से अब उन्हें महंगे दामो पर निजी पैथोलॉजी की शरण नही लेनी पड़ेगी। लेकिन करीब 20 दिन से अचानक एक्सरे मशीन में तकनीकी खराबी आने से मशीन सिर्फ शो पीस बनी रखी है। जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का वहन नही कर पा रहे हैं। वही एक्सरे टेक्नीशियन आशिफ से बात करने पर उनका फोन नही रिसीव हुआ। बिछिया अस्पताल में अचानक एक्सरे मशीन खराब होने से मरीजों को इधर उधर भटकना पड़ रहा है। जबकि रोजाना एक्सरे जांच के लिए करीब एक सैकड़ा मरीज आते हैं। जिन्हें अब इस एक्सरे जांच को लेकर निजी पैथोलॉजी की शरण लेनी पड़ी रही है जिससे उनकी आर्थिक जेब भी ढीली हो रही है। मरीजों में राहुल, अनुराग, विपिन, वीरेंद्र, बब्लू, लाला, हर्षित सहित करीब आधा सैकड़ा लोगों ने कहा कि लंबे समय से एक्सरे जांच सुविधा बंद होने से बाहर प्राइवेट जांच कराने पर मजबूर है जिससे महंगे दामो की आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ नरेंद्र कुमार अर्थिंग आने की समस्या से मशीन बंद है जल्द ही सम्बंधित टीम को बुलाकर सुधार कराकर शुरू कराया जाएगा।

जाति सूचक वार्डों /मोहल्लों के नाम बदलवाये जाने हेतु जारी शासनादेश का अनुपालन कराए जाने हेतु फारूक अहमद एडवोकेट ने सीएम को लिखा पत्र

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी शासनादेश दिनांक 7 मई 2022 का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजसेवी फारूक अहमद एडवोकेट ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किए जाने की मांग की है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम इस्माइलपुर आंबापारा (कुर्मिन खेड़ा) निवासी उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा रयश भारतीर सम्मान से सम्मानित प्रमुख समाजसेवी फारूक अहमद एडवोकेट ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि उ० प्र० के नगर निकायों में वार्डों एवं मोहल्लों के नाम असंसदीय/ असंवैधानिक/ विशेष जाति सूचक हैं जैसे चमर टोला, चमरौधा, पसियाना, पासी टोला, कछियाना, मुराऊ टोला, गडरियन पुरवा, गडरियन खेड़ा, धनुकाना, खटिकाना, जुलाहेपुरी, मोची टोला, मुचियाना, जोगियाना, भंगियाना इत्यादि मौजूद हैं। इसी तरह कस्बा बांगरमऊ के एक वार्ड का नाम भंगियाना था जिसे व पूरे प्रदेश के जाति सूचक वार्डों व मोहल्लों का नाम बदलने के लिए फारूक अहमद एडवोकेट ने जनहित याचिका संख्या-224/2022 मा० उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ में दायर की थी। जिसके निदेशों के उपरांत उत्तर प्रदेश सरकार ने दिनांक 17 मई 2022 को एक शासनादेश जारी कर प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया था कि यदि किसी नगर निकाय में असंसदीय नाम/ असंवैधानिक नाम/ विशेष जाति सूचक नाम के वार्ड व मोहल्ले हों तो संबंधित नगर निकायों से प्रस्ताव मंगाकर बदल दिए जाएं।

उपरोक्त शासनादेश दिनांक 7 मई 2022 के अनुपालन में उत्तर प्रदेश सरकार ने बांगरमऊ के भंगियाना वार्ड व मोहल्ले का नाम परिवर्तित कर सिद्धार्थनगर कर दिया था जिससे जाति सूचक नाम खत्म हो गया। उक्त शासनादेश जारी होने के बावजूद इसका कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है और आज भी नगर निकायों में जाति सूचक मोहल्ले व वार्ड मौजूद हैं। इससे स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश के समस्त जिलाधिकारी इस मामले में रुचि नहीं ले रहे हैं। फारूक अहमद एडवोकेट ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में मांग की है कि जारी शासनादेश दिनांक 7 मई 2022 के अनुपालन में जिला अधिकारियों को निर्देशित करें कि नगर निकायों में नगर निगमों के आयुक्तों, नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों से जाति सूचक मोहल्ले व वार्डों के नाम बदलने के संबंध में प्रस्ताव मंगाकर उन्हीं समुदाय के आराध्यों/ महापुरुषों/ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर नाम रखने की कार्यवाही की जाये। पत्र की प्रतिलिपि नगर विकास मंत्री, मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव नगर विकास उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है।

इस्लाम के प्रचार और प्रसार में दरगाहों और खानकाहों की रही ऐतिहासिक और सामाजिक भूमिकाः- हजरत अफजाल मोहम्मद फारूकी सफवी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। चिश्तिया सिलसिले की प्रसिद्ध दरगाह रखानकाहे सफवियार सफीपुर शरीफ के साहबजादा और वारिसे मसनदे शाहे सफी, विद्वान व मशहूर बुजुर्ग हजरत अफजाल मोहम्मद फारूकी सफवी ने दरगाहों और खानकाहों पर चर्चा करते हुए एक खास मुलाकात में बताया कि ?इस्लाम के इतिहास और भारतीय उपमहाद्वीप में इसके स्वरूप को गढ़ने में सूफी संतों, दरगाहों और खानकाहों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। सूफी संतों ने प्रेम, भाईचारे, सेवा और अध्यात्म के माध्यम से इस्लाम के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया। खानकाहें (सूफी आश्रम) और दरगाहें (संतों के मजार) केवल धार्मिक उपासना के केंद्र नहीं रहे, बल्कि वे ऐसे साझी सांस्कृतिक और मानवीय प्रयोगशालाएँ थीं जहाँ जाति, वर्ग और धर्म की दीवारों को गिराकर हर व्यक्ति का स्वागत किया गया।सूफी संतों ने कुरान की शिक्षाओं की व्याख्या रूहानी और मानवतावादी दृष्टिकोण से की। उन्होंने 'वहदतुल वजूद' (अस्तित्व की एकता) और 'इश्क-ए-हकीकी' (ईश्वर से प्रेम) के सिद्धांतों पर जोर दिया। आम भाषा (जैसे फारसी के स्थान पर स्थानीय बोलियों और हिंदी-अवधी) का प्रयोग करके उन्होंने जटिल धार्मिक दर्शन को सहज रूप से आम आदमी के हृदय तक पहुँचाया। हजरत निजामुद्दीन औलिया, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती और बाबा फरीद जैसे संतों के द्वारों पर आने वाले हर जरूरतमंद को बिना किसी भेदभाव के आश्रय और लंगर (भोजन) मिला। खानकाहें अपने समय के समानांतर कल्याणकारी संस्थानों के रूप में कार्य करती थीं। खानकाहों के भीतर सभी लोग एक पंक्ति में बैठकर भोजन करते थे और इबादत करते थे, जिससे सदियों पुरानी असमानताओं को चुनौती मिली। ये संस्थान ज्ञान के केंद्र थे जहाँ आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ नैतिक आचरण, क्षमा, और परोपकार की शिक्षा दी जाती थी। भूखों को भोजन कराना, बीमारों की सेवा करना और गरीबों की सहायता करना सूफी परंपरा का अनिवार्य हिस्सा था। संत अमीर खुसरो और अन्य सूफियों की रचनाओं ने समाज को जोड़ने का कार्य किया। ?वर्तमान समय में दरगाहों और खानकाहों की भूमिका और भी अधिक प्रासंगिक हो गई है। आज के दौर में जब समाज में वैमनस्य, संकीर्णता और दूरियां बढ़ रही हैं, इन संस्थानों का यह दायित्व है कि वे अपनी मूल भावना—अहिंसा, सहिष्णुता और मानवता—की ओर लौटें। खानकाहों को अंधविश्वास और व्यावसायिकरण से दूर रखकर पुनः ज्ञान, शांति और सांत्वना के केंद्र के रूप में स्थापित करना समय की मांग है। ?दरगाहें और खानकाहें केवल अतीत की धरोहर नहीं हैं, बल्कि वे उस साझा संस्कृति का जीवंत दस्तावेज हैं जो हमें सिखाती हैं कि धर्म का वास्तविक सार इंसानियत की सेवा और दिलों को जोड़ना है।

पिता की पुण्य तिथि पर युवा भाजपा नेता ने जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को जूस व फल किया वितरण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अपने पिता स्वर्गीय की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व युवा भाजपा नेता ने जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरण किया बताते चलें कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी 5 सितंबर को अरोड़ा रिसॉर्ट में स्वर्गीय अजीत सिंह सदस्य विधान परिषद की 22 वी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा जिसके उपलक्ष्य में जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह के प्रतिनिधि व युवा भाजपा नेता शशांक शेखर सिंह शनि ने जिला अस्पताल में जाकर भर्ती मरीजों को फल व जूस का वितरण किया! उन्होंने भर्ती मरीजों को हर संभव मदद दिलाने का विश्वास दिलाया! जिससे भर्ती मरीजों ने उनका आभार व्यक्त किया !इस अवसर पर रिंकू शुक्ला, अवधेश दीक्षित, अजय परिहार प्रतीक सिंह समेत अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे

जहरीला पदार्थ निगलने वाली युवती की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। जहरीला पदार्थ निगलने वाली युवती की अस्पताल मे इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घर में मौजूद लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। गौरतलब है कि नगर के मोहल्ला कछियाना निवासी अभिलाष की 18 वर्षीय पुत्री कृतिका ने बुधवार को अज्ञात कारणों के चलते नशीला पाउडर खा लिया। कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजनों ने आनन-फानन उसे यहाँ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया था। गंभीर हालत के चलते चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

विकास कार्यों को लेकर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

प्रधान व सचिव पर लगाए गंभीर आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। ?हिलौली विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लच्छीखेडा में इन दिनों विकास कार्यों की बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही से ग्रामीणों का सब्र टूट गया है। मूलभूत सुविधाओं से वंचित ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले पांच वर्षों में गांव में विकास के नाम पर केवल शून्य प्रगति हुई है। ग्रामीणों का मुख्य दर्द गांव में बुनियादी ढांचे का पूरी तरह ध्वस्त होना है। गांव में नाली और खड़ंजा जैसी बुनियादी सुविधाएं न होने के कारण जल निकासी की बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है। सड़कों और गलियों में गंदा पानी भरा रहने से हर वक्त गंभीर संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। इसके अलावा, गांव में प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत एक भी आवास न मिलने और अधूरी पड़ी इंटरलॉकिंग सड़क के कारण राहगीरों व ग्रामीणों का आना-जाना दूभर हो गया है। सबसे शर्मनाक तस्वीर गांव के सामुदायिक शौचालय की सामने आई है। ताला बंद रहने के कारण ग्रामीणों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। जब ग्रामीणों ने अंदर झांककर देखा तो वहां बकरियां बंधी हुई थीं। आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रधान और सचिव पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि इस सार्वजनिक संपत्ति का उपयोग प्रधान के परिवार और रिश्तेदारों द्वारा बकरियां बांधने के लिए किया जा रहा है। विरोध करने पर भी जिम्मेदार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस विरोध प्रदर्शन में पंकज यादव, पप्पू लोधी, सूरज यादव, सोनू लोधी, रामखेलावान लोधी, सरवन, विमल, विजयकुमारी और पुत्ती लाल समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ?इस पूरे मामले पर जब ग्राम पंचायत विकास अधिकारी रूपेंद्र यादव से बात की गई, तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा बारिश का मौसम समाप्त होते ही रुके हुए इंटरलॉकिंग कार्य को पूरी तरह से संपन्न करा दिया जाएगा। सार्वजनिक शौचालय के दुरुपयोग और बंद रहने के मामले पर उन्होंने कहा कि वे इस पर तत्काल प्रभाव से संज्ञान ले रहे हैं और स्थिति की जांच कराकर उचित कार्रवाई करेंगे।

**हिमालय पर बढ़ता दबाव आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का भयानक मंजर देखने को मिलता है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही भीड़ जाए, जितनी वह आसानी से सहन कर सके। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

फड़फड़ाने लगा है भोले का तीसरा नेत्र

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

हिमालय साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि अगर हमने विकास के नाम पर उसकी अस्मिता से, उसकी पहचान से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो पूरे परिवेश के लिए भयावह त्रासदियों से मुक्ति का प्रश्न ही नहीं उठता। पुल बनाने, रेल मार्ग बिछाने, पर्यटन के नए-नए आयाम एवं नई-नई संभावनाएं तलाश करने के लोभ में हमने निरंतर हिमालय की पहचान पर संकट खड़े किए हैं। एक झील में आए प्रकोप ने इतना हिला दिया तो आने वाले ऐसे अनेक संकटों का सामना कैसे होगा, इसके लिए सांझा प्रयास करने की दिशा में सोचा भी नहीं जा रहा है। हिमालय को बचाना सिर्फ बर्फ के एक पहाड़ को बचाना नहीं है बल्कि यह अपनी जीवनदायिनी नदियों, अपनी जलवायु और अंततः अपने खुद के अस्तित्व को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

हम हिमालय की नहीं सुनते। हमने प्राकृतिक आपदा, अल-नीनो, 'ग्लोबल वार्मिंग' आदि कितने ही कवच समय-समय पर पहने हैं, मगर हिमालय की नाराजगी को कभी भी समझने का प्रयास नहीं किया। हिमालय साफ-साफ चेतावनी दे रहा है कि अगर हमने विकास के नाम पर उसकी अस्मिता से, उसकी पहचान से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो पूरे परिवेश के लिए भयावह त्रासदियों से मुक्ति का प्रश्न ही नहीं उठता। पुल बनाने, रेल मार्ग बिछाने, पर्यटन के नए-नए आयाम एवं नई-नई संभावनाएं तलाश करने के लोभ में हमने निरंतर हिमालय की पहचान पर संकट खड़े किए हैं। चीन को सीमा क्षेत्रों में नए रेलमार्ग बिछाने, नए पुल बनाने, हवाई पट्टियां बनाने की कोई विशेष आवश्यकता नहीं थी। सिर्फ सीमा-सुरक्षा के नाम पर पहाड़ों को घाव देने की कोई ऐसी जरूरत नहीं थी जिसके लिए डायनामाइट एवं बारूदी सुरंगों के जाल बिछाए जाते। चीन की सीमावर्ती-चुनौतियों का सामना करने के लिए उसी क्षेत्र में सड़कों, रेलों व अन्य यातायात साधनों के जाल बिछाने की आपातकालीन जरूरत हमें भी महसूस होने लगी। स्थितियां इतनी भयावह हो चुकी हैं कि तथ्यों का सही-सही आकलन कर पाना भी संभव नहीं रहा। चेतावनियां पिछले साढ़े तीन दशकों से चेता रही हैं। वर्ष 1998 में उत्तराखण्ड के मालपा क्षेत्र में हुई तबाही, वर्ष 2000 में तिब्बत में आई विनाशकारी बाढ़, वर्ष 2005 में पाशू-नदी की विभीषिका, जून 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की चमोली त्रासदी, इन सबकी खुली अपेक्षा करते हुए चीन, नेपाल, भारत और तिब्बत आदि में बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती रही। अब नई सूचना यह है कि 189 नई झीलें बन चुकी हैं। स्थिति यह है कि अब तिब्बत-नेपाल क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में झीलें बन चुकी हैं। सभी में ग्लेशियरों के पिछलाव का जल ठाठें मारने लगा है। एक झील में आए प्रकोप ने इतना हिला दिया तो आने वाले ऐसे अनेक संकटों का सामना कैसे होगा, इसके लिए सांझा प्रयास करने की दिशा में सोचा भी नहीं जा रहा है। अभी तो लाशें ढोने, घायलों को बचाने, लापता लोगों की तलाश करने से भी फुर्सत नहीं मिल पा रही।

विकास का अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत

हमने उस पारंपरिक ज्ञान को पिछड़ापन मानकर खारिज कर दिया और कंक्रीट के उस विकास को अपना लिया जो मैदानी इलाकों के लिए बना था। पहाड़ों की अपनी एक अलग तासीर होती है जिसे समझे बिना वहां किसी भी तरह का निर्माण सीधा मौत को बुलावा देगा है। हमें यह समझना होगा कि हम प्रकृति से लड़कर कभी जीत नहीं सकते। विकास जरूरी है, इसमें कोई संदेह नहीं है क्योंकि पहाड़ों के लोगों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर चाहिए। लेकिन यह विकास विनाश की शर्त पर कतई नहीं होना चाहिए। पहाड़ों के लिए विकास का एक अलग मॉडल बनाने की सख्त जरूरत है। पर्यटन को भी तुरंत नियंत्रित करने की आवश्यकता है ताकि पहाड़ों पर उतनी ही भीड़ जाए जितनी वह आसानी से सहन कर सके। ईको टूरिज्म को बढ़ावा देना होगा जहां पर्यटक प्रकृति का सम्मान करना सीखे। जब हम पहाड़ पर जाते हैं तो हमें एक विनम्र मेहमान की तरह बर्ताव करना चाहिए, न कि किसी मालिक या विजेता की तरह। अगर हमने समय रहते हिमालय की चीख को अनसुना करना बंद नहीं किया और उस पर यह अनियंत्रित दबाव कम नहीं किया तो आने वाले समय में ये प्राकृतिक आपदाएं और भी भयावह रूप ले लेंगी। हिमालय को बचाना सिर्फ बर्फ के एक पहाड़ को बचाना नहीं है बल्कि यह अपनी जीवनदायिनी नदियों, अपनी जलवायु और अंततः अपने खुद के अस्तित्व को बचाने की अंतिम लड़ाई है। हमें पहाड़ों के मिजाज को समझना होगा। हमें यह संकल्प लेना ही होगा कि हम विकास की राह पर जरूर चलेंगे लेकिन प्रकृति का हाथ पकड़कर, उसकी छाती पर पैर रखकर नहीं।

विकास की अंधी दौड़

जब अमरनाथ का शिवलिंग पिघलने लगा तो कैलाश पर विराजमान भोले शंकर का भी तीसरा नेत्र फड़फड़ाने लगा, इधर नेपाल में विराजे भोले पाशुपतिनाथ भी नाराज होने लगे। सवाल यह है कि इस प्रकोप से बचा कैसे जाए? हिमालय केवल पत्थरों और बर्फ से बना कोई निर्जीव ढांचा नहीं है, बल्कि यह इस उपमहाद्वीप की धड़कन है। सदियों से यह हमारा रक्षक रहा है, जीवनदायिनी नदियों का उद्गम और हमारी आस्थाओं का केंद्र रहा है।आज आए दिन पहाड़ों के दरकने, बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ की खबरें हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। प्रकृति का यह रौद्र रूप अकारण नहीं है। सच तो यह है कि हमने अपने ही रक्षक पर इतना भार लाद दिया है कि अब वह हांफने लगा है। हिमालय पर बढ़ता यह दबाव अब सीधे तौर पर विनाशकारी आपदाओं को आमंत्रण दे रहा है। अगर हम गहराई से सोचें तो समझ आएगा कि पहाड़ों के साथ हमारा रिश्ता अब श्रद्धा का नहीं बल्कि उपभोग का हो गया है। विकास की अंधी दौड़ में हमने यह भुला दिया कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। जब हम इन नाजुक पहाड़ों का सीना चीरकर चौड़ी सडकें बनाते हैं, रेलवे के लिए लंबी सुरंगें खोदते हैं और बिजली के लिए विशालकाय बांध बनाते हैं तो हम अनजाने में पहाड़ की नींव को खोखला कर रहे होते हैं।

इंसानों ने रची यह त्रासदी

डायनामाइट के धमाके सिर्फ चट्टानों को नहीं तोड़ते बल्कि वे पहाड़ के उस प्राकृतिक संतुलन को भी चकनाचूर कर देते हैं जो लाखों सालों की खामोशी में बना है। पहाड़ों के सीने में सुराख करके जो मलबा निकाला जाता है, उसे अक्सर बिना किसी योजना के नदियों के किनारे डाल दिया जाता है। बरसात के दिनों में यही मलबा नदियों के प्रवाह को रोकता है और फिर नदियां अपना रास्ता बदलकर बस्तियों की ओर रुख कर लेती हैं। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह पूरी तरह से इंसानों द्वारा रची गई एक त्रासदी है जिसमें हमने खुद ही विनाश के बीज बोए हैं। इसके साथ ही पर्यटन के नाम पर जो भीड़ हम पहाड़ों की तरफ धकेल रहे हैं, वह भी इस समस्या का एक बहुत बड़ा कारण है। छुट्टियां मनाने के लिए पहाड़ों का रुख करना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन हर जगह की अपनी एक वहन क्षमता होती है जिसे हम 'कैरिंग कैपेसिटी' कहते हैं। आज पहाड़ों के छोटे-छोटे कस्बों में कंक्रीट के विशाल होटलों का जंगल उग आया है। जहां कभी ढलान पर देवदार और खुरांश के पेड़ हुआ करते थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। ये भारी भरकम इमारतें पहाड़ की ढलान पर एक ऐसा बोझ हैं जिसे उठाने के लिए वह बना ही नहीं है। इसके अलावा पर्यटकों की भीड़ अपने साथ जो प्रदूषण और प्लास्टिक का कचरा लाती है, वह नदियों और प्राकृतिक जल स्रोतों का गला घोंट रहा है।

हिमालय के पिघलते ग्लेशियर

जलवायु परिवर्तन ने इस आग में घी का काम किया है। लगातार बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से हिमालय के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों के ऊपर बर्फ की झीलों में पानी का दबाव अचानक बढ़ जाता है। जब ये प्राकृतिक झीलें टूटती हैं तो नीचे की घाटियों में तबाही का ऐसा मंजर देखने को मिलता है जिसकी कल्पना भी इंसान की रूह कंपा देती है। बारिश के पैटर्न में भी भयानक बदलाव आया है। अब हफ्तों तक रिमझिम बारिश होने के बजाय कुछ ही घंटों में इतना पानी बरस जाता है कि पहाड़ उसे सोख नहीं पाते और मिट्टी कटकर नीचे बहने लगती है। यही वजह है कि बादल फटने और अचानक भयानक बाढ़ आने की घटनाएं आम हो गई हैं। जोशीमठ जैसी घटनाएं कोई अचानक हुआ हादसा नहीं थी बल्कि ये दशकों से पहाड़ों पर किए जा रहे अत्याचार का दुःखद परिणाम हैं। जब जमीन धंसती है, पुराने घरों में दरारें आती हैं और लोगों को अपने पुरखों के घर छोड़कर रातों-रात राहत शिविरों में जाना पड़ता है तो वह सिर्फ एक भौगोलिक घटना नहीं होती। वह एक गहरा मानवीय संकट होता है। लोग अपनी आंखों के सामने अपनी जीवन भर की पूंजी, अपनी यादें और अपना भविष्य मिटते हुए देखते हैं। पहाड़ों में रहने वाले सीधे-सादे लोग विकास की इस मनमानी कीमत को सबसे ज्यादा चुका रहे हैं।

प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना जरूरी

चुनौती

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

जलवायु परिवर्तन की समस्या एक गंभीर वैश्विक संकट है। यह संकट अभी हमें चाहे ना दिखाई दे लेकिन मानव सभ्यता के लिए यह एक गंभीर चुनौती है। प्रकृति हमेशा से मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र और पालक रही है, लेकिन हाल के वर्षों में हमने इसका रौद्र रूप भी बार-बार देखा है। कभी जंगलों में धधकती आग बेजुबान जानवरों को लील जाती है तो कभी समुद्र में उठने वाले भयंकर तूफान पल भर में तटीय बस्तियों को उजाड़ देते हैं। यह सब देखकर मन में एक सहज सा सवाल उठता है कि क्या यह सब बस यूं ही हो रहा है या इसके पीछे हमारी अपनी कोई भूल है। इससे भी बड़ा यह सवाल मन में बार-बार उठता है कि क्या जलवायु परिवर्तन आने वाले समय में हमारे लिए इससे भी बड़ी और भयंकर विपत्तियां ला सकता है। इस सवाल का जवाब ढूंढने के लिए हमें भविष्य के किसी वैज्ञानिक मॉडल को देखने या बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। हमारे आसपास का बदलता हुआ मौसम खुद इसका जीता जागता गवाह है। जिस जलवायु परिवर्तन को हम कुछ दशक पहले सिर्फ विज्ञान की भारी-भरकम किताबों या वैश्विक सम्मेलनों का विषय मानते थे, वह आज हमारे घर के दरवाजे तक दस्तक दे चुका है। बेमौसम की भारी बारिश, सर्दियों के महीनों में कम होती ठंड, और गर्मियों में झुलसा देने वाली लंबी लू, ये सब प्रकृति की खुली चेतवनी है। जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। वैज्ञानिक लगातार पूरी दुनिया को चेता रहे हैं कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है। हमारे द्वारा किए जा रहे अंधाधुंध औद्योगीकरण, बेतहाशा जंगलों की कटाई, पहाड़ों के सीने को चीरकर किए जा रहे अनियोजित निर्माण और लगातार बढ़ते कार्बन उत्सर्जन ने धरती के प्राकृतिक संतुलन को बुरी तरह से बिगाड़ दिया है। अगर यही स्थिति बनी रही तो इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाला समय वाकई बहुत डरावना होगा। जैसे-जैसे पृथ्वी और गर्म होगी, ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघलेंगे और समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। इसका सीधा मतलब यह है कि दुनिया भर के कई तटीय शहर, महानगर और छोटे-छोटे द्वीप हमेशा के लिए पानी में समा सकते हैं। जरा सोचिए, जब लाखों-करोड़ों लोग एक साथ बेघर होंगे तो उन्हें हम कहां बसाएंगे। आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और उनकी संख्या दोनों में बेतहाशा वृद्धि होने की पूरी आशंका है। जो चक्रवाती तूफान पहले दस या बीस सालों में एक बार आते थे, वे अब हर साल और भी ज्यादा ताकतवर होकर तटों से टकरा सकते हैं। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण शुरुआत में तो नदियों में भयानक बाढ़ आएगी, जो अपने रास्ते में आने वाले हर गांव और शहर को डुबो देगी, लेकिन बाद में जब ये बर्फ के पहाड़ पूरी तरह खत्म हो जाएंगे तो वही सदानीरा नदियां सूख जाएंगी। इससे पीने के पानी और सिंचाई के लिए एक ऐसा भयंकर संकट खड़ा होगा जिसकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरण का या विज्ञान का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुत बड़ा मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट है। जब एक जगह का तापमान बढ़ता है तो उसका असर पूरी दुनिया के मौसम चक्र पर पड़ता है। यह एक भयंकर चेन रिएक्शन की तरह है। जंगलों में लगने वाली भीषण आग की घटनाएं इसका एक बड़ा उदाहरण हैं। जब जंगल जलते हैं तो न सिर्फ लाखों बेजुबान जानवर तड़प-तड़प कर मारे जाते हैं, पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं, बल्कि भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वापस वातावरण में घुल जाती है, जो धरती की गर्मी को और ज्यादा बढ़ा देती है। इसी तरह, आर्कटिक जैसे ठंडे इलाकों में सदियों से जमी हुई बर्फ के पिघलने से वहां दबी हुई मीथेन जैसी खतरनाक गैसें बाहर आ सकती हैं। अगर ऐसा हुआ तो ग्लोबल वार्मिंग इतनी तेजी से बढ़ेगी कि उसे रोकना फिर इंसान की तकनीक और वश के बाहर हो जाएगा। हमारे देश के लिए तो यह खतरा और भी बड़ा है। एक तरफ हमारे पास विशाल हिमालय है तो दूसरी तरफ एक बहुत लंबी तटरेखा। अगर जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून का चक्र इसी तरह बिगड़ता रहा, कभी बहुत ज्यादा बारिश या कभी बिल्कुल सूखा पड़ा तो हमारी खाद्य सुरक्षा पर सीधा प्रहार होगा। पहाड़ जो कभी अपनी स्थिरता के लिए जाने जाते थे, वे आज दरक रहे हैं। हमने अपने स्वार्थ में अंधी दौड़ लगाते हुए प्रकृति को बहुत गहरे घाव दिए हैं, लेकिन प्रकृति एक मां की तरह है, जिसमें खुद को और अपने बच्चों को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है, बशर्ते हम उसे ऐसा करने का मौका और समय दें। हमें एक ऐसा रास्ता चुनना होगा जिसमें तरक्की तो हो, लेकिन जंगलों और नदियों की बलि देकर नहीं। जलवायु परिवर्तन कोई ऐसी आसमानी आपदा नहीं है जो किसी दूसरे ग्रह से अचानक हमारे ऊपर आ गिरी हो। यह हमारी अपनी पैदा की हुई विपत्ति है। इसलिए इसका समाधान भी हमें ही करना होगा। हम आज जाग जाएं, अपने लालच को किनारे रखकर प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर चलना सीख लें तो शायद हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, हरी-भरी और खूबसूरत दुनिया सौंप सकें।

जब कोई आपदा आती है तो वह सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारतें या कंक्रीट के पुल नहीं तोड़ती, बल्कि वह इंसानों के संजोए हुए सपने, उनकी जीवन भर की गाढ़ी कमाई और उनके बच्चों का भविष्य भी उजाड़ देती है। पृथ्वी का बढ़ रहा तापमान बहुत ही अस्वाभाविक और खतरनाक है।

पर्यावरण के अनुकूल तकनीक अपनाएं

मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है, किंतु समय के साथ मनुष्य की बदलती जीवन शैली से बदली प्राकृतिक परिस्थितियों से यह रिश्ता एक नाजुक मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है। आज मानव और प्रकृति दोनों का ही अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पिछले कुछ वर्षों में हमने अनेक भयानक प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। कभी पहाड़ों पर विनाशकारी भूस्खलन, कभी मैदानी इलाकों में भयानक बाढ़, कभी आग उगलती गर्म हवाएं और कभी अकाल जैसा सूखा; यह सब भीतर तक डराने वाला है। यह कोई कुदरती कहर नहीं हैं बल्कि प्रकृति की गंभीर चेतावनी है जो हमें चीख-चीख कर कह रही है कि अब रुक जाओ! इन बढ़ती आपदाओं के पीछे का सबसे बड़ा कारण हमारा अंधा और अनियंत्रित विकास है, जिसने पर्यावरण की कीमत पर सिर्फ कंक्रीट के जंगल खड़े किए हैं। आज समूची मानव जाति के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर विकास और पर्यावरण के बीच एक स्थायी संतुलन कैसे कायम किया जाए।

हम समय के पहिए को नहीं रोक सकते और न ही विकास की प्रक्रिया से मुंह मोड़ सकते हैं। बढ़ती आबादी के लिए घर, स्कूल, अस्पताल, चौड़ी सड़कें और रोजगार के नए साधन मुहैया कराना किसी भी सरकार और समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जब हम विकास की अंधी दौड़ में पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर सड़कें बनाते हैं, नदियों के स्वाभाविक रास्तों को रोककर ऊंचे बांध बनाते हैं या हरे-भरे जंगलों को रातों-रात साफ करके कारखाने लगाते हैं तो हम अनजाने में ही अपने विनाश की कहानी लिख रहे होते हैं। विकास का मतलब कभी भी विनाश नहीं हो सकता। हम एक पेड़ काटते हैं तो सिर्फ लकड़ी का एक टुकड़ा नहीं गिरता, बल्कि बेजुबान पक्षियों का घर उजड़ता है, शीतल छांव खत्म होती है और वह जड़ें मर जाती हैं जो मिट्टी को कसकर बांधे रखती हैं। परिणामस्वरूप जरा-सी भारी बारिश में पहाड़ दरकने लगता है और नदियां अपना रास्ता बदलकर बस्तियों को उजाड़ देती हैं। अब समय आ गया है कि हम सतत विकास के रास्ते पर पूरी ईमानदारी से चलें। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने का सबसे पहला कदम यह स्वीकार करना है कि यह पृथ्वी हमारी बपौती नहीं है, बल्कि हम इस विशाल पारिस्थितिकी तंत्र का एक बहुत छोटा सा हिस्सा मात्र हैं। किसी भी नई परियोजना को शुरू करने से पहले हमें यह गहराई से सोचना होगा कि इसका वहां के स्थानीय पर्यावरण पर क्या असर पड़ेगा। इसे विज्ञान की भाषा में पर्यावरण की वहन क्षमता कहते हैं। अगर किसी पहाड़ या जंगल की क्षमता सौ लोगों का बोझ उठाने की है और हम अपने लालच में वहां हजार लोगों के लिए बड़े-बड़े होटल और सड़कें बना दें तो कुदरत का संतुलन बिगड़ना और आपदा आना तय है।

हमें पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरणतया, भवन निर्माण में ऐसी सामग्री का उपयोग हो जो कम से कम कार्बन उत्सर्जन करे और ऊर्जा की अधिकतम बचत करे। हमें कोयले और पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों पर अपनी निर्भरता तेजी से कम करनी होगी। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाकर हम हवा में घुलने वाले जहर को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इसके साथ ही नदियों को बांधने और उनके रास्ते बदलने के बजाय हमें जल संरक्षण के पारंपरिक और प्राकृतिक तरीकों की ओर लौटना होगा। प्राकृतिक जंगलों को बचाना संतुलन का सबसे अहम और जीवंत हिस्सा है।

विकास की नीति वातानुकूलित कमरों में बैठकर सिर्फ नक्शों पर नहीं बननी चाहिए, बल्कि उन लोगों से संवाद करके बननी चाहिए जो वास्तव में उस जमीन और प्रकृति के सबसे करीब रहते हैं। हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गूंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो। अगर अब भी हमने प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाना जीना नहीं सीखा तो आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाएं हमारा वो सब कुछ निर्दयता से छीन लेंगी जिसे हमने विकास के नाम पर बड़े अहंकार से खड़ा किया है।

हमें एक ऐसा मार्ग खोजना है, जहां नदियां भी अपने स्वच्छ स्वरूप में बहें और कल-कारखाने भी चलें, जहां पहाड़ भी अपनी जगह अडिग रहें और उन तक पहुंचने के सुरक्षित रास्ते भी बनें, जहां सुबह चिड़ियों की चहचहाहट भी गूंजे और तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल भी हो।

नियोजित रूप से किया जाए शहरीकरण

स्वरूप

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

शहर केवल इमारतों, सड़कों और बाजारों का समूह नहीं होते, वे किसी देश की आर्थिक गति, सामाजिक परिवर्तन और आधुनिक जीवन की आकांक्षाओं के केंद्र होते हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर सुविधाओं की तलाश में निरंतर बढ़ती आबादी शहरों की ओर आकर्षित हो रही है। परिणामस्वरूप शहरीकरण आज विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया बन चुका है। समस्या शहरीकरण से नहीं, बल्कि अनियोजित और प्रकृति-विरोधी शहरीकरण से है। जब शहर अपनी भौगोलिक और पर्यावरणीय क्षमता की अनदेखी कर फैलने लगते हैं, जलाशयों पर निर्माण होने लगता है, हरित क्षेत्र कंक्रीट में बदल जाते हैं और आबादी के अनुपात में नागरिक सुविधाएं विकसित नहीं होतीं, तब विकास स्वयं संकट का कारण बनने लगता है। भारत के कई बड़े शहर इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। देश के प्रमुख कॉरपोरेट केंद्रों में गिना जाने वाला गुरुग्राम अत्याधुनिक कार्यालयों, गगनचुंबी इमारतों और एक्सप्रेस-वे के कारण आधुनिक शहरी विकास का चेहरा दिखाई देता है, लेकिन भारी वर्षा के दौरान सड़कों और अंडरपासों में जलभराव उसकी दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करता है। यह विरोधाभास बताता है कि चमकदार निर्माण और वास्तविक शहरी मजबूती दो अलग-अलग बातें हैं। यदि प्राकृतिक जल निकासी और वर्षाजल प्रबंधन विकास की गति के साथ नहीं चलते, तो महंगा बुनियादी ढांचा भी बारिश के सामने असहाय दिखाई दे सकता है।

यही स्थिति अलग-अलग रूपों में दूसरे महानगरों में भी सामने आती रही है। मुंबई ने बार-बार भीषण वर्षा और शहरी बाढ़ का सामना किया है। समुद्र तटीय स्थिति, अत्यधिक वर्षा और घनी आबादी के साथ प्राकृतिक जल निकासी तंत्र पर दबाव इस महानगर की संवेदनशीलता बढ़ाता है। इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक शहरी बाढ़ केवल अतिक्रमण या खराब नियोजन का परिणाम है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम अवधि में अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं की चुनौती भी बढ़ रही है। यही नई जलवायु वास्तविकता शहरों से अधिक मजबूत नियोजन की मांग करती है। यदि बारिश का स्वरूप बदल रहा है तो दशकों पुराने वर्षाजल निकासी मानकों के भरोसे भविष्य के शहर नहीं चलाए जा सकते। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इस चुनौती का एक दूसरा पक्ष दिखाती है। एक ओर मानसून में जलभराव और यमुना के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ का खतरा सामने आता है, तो दूसरी ओर गर्मियों में अत्यधिक तापमान और हीट वेव गंभीर संकट बन जाती है। अर्थात एक ही शहर को बाढ़ और भीषण गर्मी दो विपरीत प्रकार की जलवायु आपदाओं के लिए तैयार रहना पड़ सकता है। इसलिए अब शहरी आपदा प्रबंधन किसी एक संभावित संकट के आधार पर नहीं, बल्कि बहु-आपदा दृष्टिकोण से तैयार किया जाना चाहिए। बढ़ता शहरी तापमान स्वयं एक गंभीर चुनौती है। हरित क्षेत्रों में गिरावट, एयर कंडीशनरों का बढ़ता इस्तेमाल और वाहनों तथा उद्योगों से निकलने वाली ऊष्मा स्थिति को और गंभीर बनाती है। पहाड़ी शहरों की चुनौती इससे अलग, लेकिन उतनी ही गंभीर है। जोशीमठ में भू-धंसाव ने पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण, भूगर्भीय संवेदनशीलता और विकास की वहन क्षमता को लेकर व्यापक बहस को जन्म दिया। हिमालयी शहरों में मैदानों के शहरी विकास मॉडल को ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय और पारिस्थितिक सीमाएं हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता यातायात और प्राकृतिक ढलानों पर दबाव आपदा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इन समस्याओं का समाधान विकास रोकना नहीं, बल्कि विकास को अधिक समझदार बनाना है। सबसे पहले शहरी मास्टर प्लान में जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। भविष्य में आवश्यकता ऐसे शहर बनाने की है जो केवल बड़े और आधुनिक न दिखें, बल्कि सुरक्षित, समावेशी, पर्यावरण-संवेदी और आपदा-रोधी भी हों। विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के विरुद्ध नहीं, प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।

विकास की असली कसौटी गगनचुंबी इमारतों की ऊंचाई नहीं, बल्कि यह होगी कि शहर असाधारण बारिश, बाढ़, भीषण गर्मी और अन्य आपदाओं के बीच अपने नागरिकों को कितना सुरक्षित रख पाता है। शहर यदि प्रकृति के साथ विकसित होंगे, तभी शहरीकरण वास्तव में सतत विकास का माध्यम बन सकेगा।

संक्षेप

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बस ने ट्रक को मारी टक्कर

आजमगढ़ से लखनऊ जाते समय हादसा, 27 घायल, 6 गंभीर

अमेठी , पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार रात एक तेज रफ्तार रोडवेज बस के ट्रक से टकराने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में बस चालक सहित 27 यात्री घायल हो गए। इनमें से छह गंभीर घायलों को मेडिकल कॉलेज तिलोई रेफर किया गया है, जबकि अन्य का प्राथमिक उपचार किया गया। यह हादसा बाराबंकी जिले के सुबेहा थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 56.7 के पास शनिवार रात करीब 1:30 बजे हुआ। आजमगढ़ से लखनऊ जा रही रोडवेज बस ने आगे चल रहे एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। बस में लगभग 50 यात्री सवार थे। टक्कर के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और यूपीडा के सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी बाजार शुकुल पहुंचाया।कुल 27 घायलों में से छह की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज तिलोई रेफर किया गया। 16 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि 11 यात्रियों को मामूली चोटें आई थीं और उन्हें दवा देकर घर भेज दिया गया।गंभीर रूप से घायल होकर तिलोई रेफर किए गए लोगों में बस चालक संजय सिंह (56, निवासी रामपुर, आजमगढ़), जयप्रकाश (35, निवासी शिवपुर), बृजेश राय (49), सीमा अस्थाना (42, निवासी हरदोई), श्वेता पांडे (46, निवासी अलीगंज, लखनऊ) और कार्तिक राजभर (25) शामिल हैं।अन्य घायलों में जगदंबा गुप्ता (35), उनकी पत्नी विनीता गुप्ता (32), काशीनाथ यादव (35), और किशन कुमार (29, निवासी चुल्लूपार, गोरखपुर) जैसे यात्री शामिल हैं। यात्री दिलशाद ने बताया कि हादसे के समय वह जाग रहे थे। उनके अनुसार, चालक को झपकी आने के कारण बस ट्रक से जा भिड़ी। दुर्घटना के समय बस में कई यात्री सो रहे थे।

6 अवैध क्लीनिक बंद, 5 को नोटिस

अमेठी में मेडिकल स्टोर पर कर रहे थे इलाज

अमेठी ,स्वास्थ्य विभाग ने झोलाछाप डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के निर्देश पर गठित जांच टीम ने जिले में कई स्थानों पर छापेमारी कर छह दुकानों को बंद करा दिया है, जबकि पांच झोलाछाप डॉक्टरों को नोटिस जारी किया गया है। ये डॉक्टर मेडिकल स्टोर के लाइसेंस पर क्लिनिक चला रहे थे।दरअसल, अमेठी में बड़ी संख्या में झोलाछाप डॉक्टर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे थे। इन दुकानों पर अक्सर मरीजों की लंबी कतारें लगी रहती थीं। स्वास्थ्य विभाग को ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि ये लोग बिना उचित योग्यता और लाइसेंस के चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।सीएमओ अंशुमान सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अमेठी कस्बे में बड़े पैमाने पर चल रहे झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानों पर छापा मारा।

कैसरगंज में चल रहा FLN प्रशिक्षण

शिक्षकों को नवाचार से पढ़ाने के दिए टिप्स

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। ब्लॉक संसाधन केंद्र (BRC) कैसरगंज में बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (FLN) प्रशिक्षण का प्रथम चरण चल रहा है। प्रशिक्षण में शिक्षकों को बच्चों को सरल एवं रोचक तरीके से पढ़ाने के साथ-साथ शिक्षण में नवाचार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों ने NCERT की नवीन पाठ्य-पुस्तक कक्षा-4 की गणित की पुस्तक में किए गए बदलावों और गणितीय अवधारणाओं को बच्चों तक सहज ढंग से पहुंचाने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों में सीखने की रुचि पैदा करने के तरीके भी बताए गए। इएड गीतेन्द्र चौधरी ने प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों से कहा कि प्रशिक्षण में सीखी गई बातों का विद्यालयों में प्रभावी ढंग से प्रयोग करें। बच्चों के साथ सहज वातावरण बनाकर उन्हें गतिविधियों एवं नवाचार के माध्यम से पढ़ाया जाए, ताकि सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके प्रशिक्षण में संदीप कुमार, रूप प्रताप सिंह, रसूल रघुवंशी, डॉ. शुभा रस्तोगी, केशवाश, उमेश पाण्डेय समेत अन्य प्रशिक्षक एवं शिक्षक मौजूद रहे।

9 वर्षीय बालिका पर गिरी दीवार, हुई मौत, इलाकाई पुलिस ने पूर्ण की संवैधानिक कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। परिजनों में उसे समय कोहराम मच गया जब नौ वर्षीय बालिका पर अचानक दीवार गिर जाने व उसके नीचे दबाने के कारण उसकी दर्दनाक मौत हो गई। जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बेहड़ा गांव निवासी सुमन देवी पत्नी लवकुश आर्या की नौ वर्षीय बेटी माहनी गुरुवार की प्रातः सो जाने के लिए नल पर पानी भरने गई थी जहां अचानक उसे पर दीवार गिर गई और वह इसकी चपेट में आ गई जिससे मौके पर ही मिनी की दर्दनाक मौत हो गई जिससे परिजनों में कोहराम मच गया, ग्रामीणों की काफी भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना थाना खैरीघाट पुलिस को दी गई जिस पर खैरीघाट पुलिस द्वारा पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा की कार्यवाही पूर्ण कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैथानाध्यक्ष खैरीघाट ने बताया कि सूचना के आधार पर संवैधानिक कार्यवाही संपन्न की गई है।

निराश्रित घायल गोवंश का अंश हार्डवेयर के सहयोग से प्राथमिक उपचार हुआ संपन्न

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद के शिवपुर ब्लॉक अंतर्गत रामपुर वैवाही मार्ग पर एक छोटा आवारा गोवंश कई दिनों से घायल घूम रहा था। गुरुवार शाम करीब 6 बजे अंश हार्डवेयर के सहयोग से पशु मित्र लालता प्रसाद ने उसका प्राथमिक इलाज किया। इस छोटे गोवंश की आंखों पर काफी चोटें आई थीं, जिससे उसकी एक आंख बाहर आ गई थी। उसकी हालत बहुत खराब थी और वह खुद को बहुत बेबस महसूस कर रही थी। पशु मित्र लालता प्रसाद ने बताया कि लगातार तीन दिनों तक इलाज करने के बाद उसका घाव भर जाएगा।

कंपोजिट विद्यालय सहाबा के कक्ष में नागराज का डेरा, मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। ब्लॉक नवाबगंज अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय सहबा में उस समय हड़कंप मच गया, जब विद्यालय के एक कक्षा-कक्ष में विशाल सांप दिखाई दिया। कक्ष खोलने के बाद शिक्षक की नजर सांप पर पड़ी, जिसके बाद विद्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विद्यालय के प्रधान शिक्षक सजल कुमार मिश्रा ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल वन विभाग की टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। सांप के रेस्क्यू होने के बाद विद्यालय स्टाफ और बच्चों ने राहत की सांस ली। शिक्षकों की सतर्कता और तत्परता के चलते एक बड़ा हादसा होने से टल गया। विद्यालय स्टाफ ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कक्षा-कक्ष को खाली कराया और वन विभाग की टीम के पहुंचने तक सावधानी बरती। इस

दौरान प्रधान शिक्षक सजल कुमार मिश्रा, जितेंद्र वर्मा, प्रदीप सिंह, बेचन लाल सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने सूझबूझ और सतर्कता का परिचय देते हुए स्थिति को संभाला।

दुःखदः नहाने गये तालाब में दो बालक डूबे, गांव में मचा हाहाकार

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। सीमावर्ती रुपईडीहा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मकनपुर के मजरा नारायण जोत गांव के तालाब में नहाने गए दो बालको के डूबने की घटना से क्षेत्र में मायूसी।

ग्रामीणों की सूचना पर डायल 112 व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से तालाब में डूबे बालको की खोजबीन शुरू कराई। ग्रामीणों की मदद से तालाब में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके बाद शाम करीब 6 बजे दोनों बालको के शव बरामद कर लिए गए।

मिली जानकारी के अनुसार संदीप वर्मा (16) निवासी बीरगंज जनपद श्रावस्ती अपने ननिहाल शिवबढ़िया गांव में रामनाथ वर्मा के घर आया था। गांव निवासी युवक दीपेंद्र सोनकर (12) के साथ गांव के तालाब में नहाने गया था।स्थानीय लोगों के मुताबिक बताया गया कि नहाते समय दोनों युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए। थानाध्यक्ष हितेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से दोनों बालको के शव तालाब से बाहर निकलवाए गए। उन्होंने पुष्टि की कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। एक साथ दो बालको की असमय मौत से नारायण जोत (शिव बढ़िया) गांव में दुख का माहौल है। परिजनों का हाल बेहाल है।

नगर पंचायत रूपईडीहा में किराना दुकान का भव्य उद्घाटन, गणमान्य लोग रहे मौजूद

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा से सटे नगर पंचायत रूपईडीहा में प्राइवेट बस अड्डे के निकट श्री राम जानकी वार्ड नंबर 10 में बृहस्पतिवार को एक थोक एवं फुटकर किराना दुकान का भव्य उद्घाटन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वार्ड के नवयुवक सभासद नरेन्द्र कुमार मद्धेशिया उर्फ गुड्डू द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य संदीप जायसवाल उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख व श्री राम जानकी इंटर कॉलेज के प्रबंधक हरिश्चंद्र उर्फ बंटू भैया तथा पूर्व प्रधान मोहम्मद जुबैर फारुकी मौजूद रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल से शैलेश जायसवाल, सभासद सैयद रजा इमाम रिजवी, सभासद राजकुमार गुप्ता, मनोज प्रजापति, देशराज वर्मा, जहीर अहमद, ध्रुव राज वर्मा, अशोक यादव, जाकिर अहमद,

प्रशांत मद्धेशिया, रईस अहमद सहित नगर के तमाम गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नव प्रतिष्ठान के उज्जवल भविष्य की कामना की।

अर्टिगा की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

एंबुलेंस का 30 मिनट करना पड़ा इंतजार, पुलिस ने ई-रिक्शे से पहुंचाया अस्पताल

अमन लेखनी समाचार

अमेठी ,तेज रफ्तार अर्टिगा कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस के करीब आधे घंटे तक मौके पर नहीं पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने घायल को ई-रिक्शे से अस्पताल पहुंचाया।हादसा अंतू रोड बाईपास के पास हुआ। करनाईपुर निवासी राम औतार का 24 वर्षीय पुत्र आयुष गौतम बाइक से अंतू की ओर से अमेठी बाजार जा रहा था। इसी दौरान सामने से अमेठी की ओर से प्रतापगढ़ जा रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार से उसकी बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र का है।

टक्कर इतनी तेज, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आयुष सड़क पर गंभीर हालत में घायल पड़ा रहा। स्थानीय लोगों ने तत्काल हादसे की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। आरोप है कि सूचना के करीब आधे घंटे बाद भी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। इस दौरान घायल युवक सड़क पर तड़पता रहा। पुलिस ने ई-रिक्शे से पहुंचाया अस्पताल एंबुलेंस के इंतजार में घायल की हालत बिगड़ती देख थाने के सिपाही मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने बिना और इंतजार किए आयुष को ई-रिक्शे पर लादा और उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया।हादसे के बाद मौके पर कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने दुर्घटना की जानकारी जुटाने के साथ दोनों वाहनों को कब्जे में लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे में घायल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दूध लेने पहुंची युवती को लेकर दो पक्ष भिड़े

अलीगढ़ में लाठी-डंडे चले, महिलाएं और बच्चे भी मारपीट में शामिल

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ ,थाना महुआ खेड़ा क्षेत्र के देवीनगला में दूध डेरी पर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पुरुषों के साथ महिलाएं और बच्चे भी एक-दूसरे से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। विवाद की शुरूआत एक युवती के दूध लेने के लिए डेरी पर पहुंचने से हुई। आरोप है कि गलतफहमी के चलते डेरी संचालक ने युवती पर विरोधी पक्ष की जासूसी करने का शक जताया और उसके साथ गाली-गलौज की। इसके बाद युवती के परिजन शिकायत करने पहुंचे तो दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया।

दूध लेने पहुंची युवती पर जासूसी का शक

जानकारी के अनुसार, डोली नाम की युवती देवीनगला स्थित लवकुश की दूध डेरी पर दूध लेने पहुंची थी। बताया गया कि डेरी संचालक लवकुश और उसके परिवार का क्षेत्र के एक अन्य परिवार से पहले से विवाद चल रहा है। लवकुश ने डोली को अपने घर के दरवाजे के पास खड़ा देखा। आरोप है कि उसे शक हुआ कि युवती विरोधी पक्ष के लिए जासूसी कर रही है। इसी बात को लेकर उसने डोली के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की।

परिजनों के पहुंचने पर बढ़ा विवाद

डोली ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। शनिवार, 29 अगस्त को परिजन शिकायत करने के लिए लवकुश के घर पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। वायरल वीडियो में पुरुष, महिलाएं और बच्चे भी हाथों और लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

तहरीर पर दर्ज हुआ मुकदमा

घटना के बाद डोली ने स्थानीय थाने पहुंचकर लवकुश के खिलाफ लिखित शिकायत दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर , 30 अगस्त को लवकुश के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्षेत्राधिकारी द्वितीय धनंजय सिंह ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को देवी नगला में दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना मिली थी।

74 हजार की पिस्टल से युवक पर हमला

24 घंटे में दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, इंस्पेक्टर बाल-बाल बचे

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर,पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। देर रात रामपुर नहर तिराहे के पास हुई मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। बदमाशों की फायरिंग में मोतिगरपुर थाने के इंस्पेक्टर क्राइम चंद्रभान वर्मा के बाएं कंधे को छूते हुए गोली निकल गई।वह बाल-बाल बच गए। अंधेरे का फायदा उठाकर एक आरोपी फरार हो गया। घायल बदमाशों को सीएचसी मोतिगरपुर में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने मौके से अवैध पिस्टल, तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, एक आरोपी ने 74 हजार रुपए में अवैध पिस्टल खरीदी थी। मोतिगरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात पुरानी रंजिश के चलते विपिन सिंह पुत्र इंद्रसेन सिंह पर गोली मारकर जानलेवा हमला किया गया था।विपिन को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। विपिन के चाचा दान बहादुर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी विपिन सिंह समेत दो अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। मामले में एसपी विनीत जायसवाल ने पुलिस टीमों को जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। विपिन मध्य प्रदेश में कोयला खदान में निजी काम करता है। वह रक्षाबंधन के मौके पर ही घर पहुंचा था।

दो बाइकों से निकल रहे थे बदमाश, पुलिस ने घेरा

पुलिस के अनुसार, शनिवार रात सूचना मिली कि मामले में शामिल आरोपी दो बाइकों से कहीं जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने रामपुर नहर तिराहे के पास घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखते ही बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले जाने वाला गिरफ्तार

कुंडा रेलवे स्टेशन से पुलिस ने नाबालिग को सकुशल बरामद किया

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, मानिकपुर पुलिस ने शादी का झांसा देकर नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिग को कुंडा रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87/137(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मानिकपुर थाना क्षेत्र से नाबालिग के लापता होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम इस मामले में सक्रिय थी।इसी बीच, मुखबिर से सूचना मिली कि लापता नाबालिग कुंडा रेलवे स्टेशन पर है। सूचना मिलते ही मानिकपुर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया और उसके साथ मौजूद नामजद आरोपी मुकेश कुमार (पुत्र सहदेव सरोज, निवासी कुशाहिल बाजार, थाना मानिकपुर, उम्र लगभग 19 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी मुकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह नाबालिग को पहले से जानता था। उसने स्वीकार किया कि 29/30 अगस्त की रात वह नाबालिग को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले जा रहा था। दोनों कुंडा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

पुरानी रंजिश में युवक पर फायरिंग, आरोपी गिरफ्तार

अवैध तमंचे-कारतूस बरामद, लाठी-डंडों से पिटाई कर किया था घायल

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर फायरिंग और मारपीट के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने दोपहर करीब 2 बजे कार्रवाई का खुलासा किया। मामला दिलीपपुर थाना क्षेत्र का है पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त को मो. सादाब का कुछ लोगों ने स्विफ्ट कार से पीछा किया था। आरोप है कि नवाब अली उर्फ फोल्लन, अरबाज, साहिल और दो अज्ञात लोगों ने ओवरटेक कर सादाब को रोक लिया। इसके बाद फायरिंग करते हुए लाठी-डंडों से उसकी पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद डायल-112 की मदद से घायल सादाब को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। मामले में पीड़ित के चाचा नवाब अली की तहरीर पर 21 अगस्त को दिलीपपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

बाग में छिपा मिला आरोपी

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बाबा बेलखरनाथ धाम पुल के पास नजियापुर की ओर स्थित एक बाग से साहबे आलम उर्फ साहिल (26) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, आरोपी साहिल के खिलाफ पहले से चार मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में उसने 21 अगस्त की घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस का दावा है कि साहिल ने पूछताछ में घटना के दौरान तमंचे से फायर करने की बात भी बताई।

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच करने के साथ ही घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

संक्षेप

फर्जी इंस्टा आईडी से लाखों की ठगी

शादी का झांसा देकर युवक ने ठगे 2 लाख और मंगलसूत्र, आरोपी गिरफ्तार

बागपत ,थाना चांदीनगर पुलिस ने ठगी के एक मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर गांव के ही एक युवक से शादी का झांसा देकर 2 लाख रुपये और एक मंगलसूत्र ठग लिया था।पुलिस ने आरोपी को 30 अगस्त को गिरफ्तार कर उसके पास से ठगा गया मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव निवासी चिंटू ने इंस्टाग्राम पर 'काव्या शर्मा' के नाम से एक फर्जी आईडी बनाई थी। इसी आईडी के माध्यम से उसने गांव के ही नीरज नामक युवक को अपना शिकार बनाया। चिंटू ने फर्जी आईडी से बातचीत करते हुए नीरज को बताया कि उसकी गांव में जान-पहचान है और वह उसके गांव में आती-जाती रहती है।फर्जी आईडी के जरिए बातचीत बंद कर दचिंटू की इस फर्जी आईडी के जाल में नीरज फंसता चला गया। उसने इसी झांसे में आकर चिंटू को 2 लाख रुपए नकद और एक मंगलसूत्र दे दिया। कुछ समय बाद चिंटू ने फर्जी आईडी के जरिए नीरज से बातचीत बंद कर दी, जिससे नीरज को ठगी का एहसास हुआ। परेशान नीरज ने इस पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। 29 अगस्त को नीरज की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। अगले दिन, 30 अगस्त की शाम 4 बजे पुलिस ने मंसूरपुर निवासी चिंटू को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से ठगी के माध्यम से प्राप्त किया गया मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया गया है। इंस्पेक्टर रामचंद्र ने बताया कि ठगी के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की गहन छानबीन की जा रही है।पुलिस ने आम जनता से साइबर ठगी के मामलों में सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि किसी भी फर्जी आईडी या संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई न करें और कोई समस्या आने पर तत्काल नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

बाइक फिसलने से हिंडन नदी में गिरा युवक

24 घंटे बाद 4 किलोमीटर दूर मिला शव

बागपत ,चिरचिटा गांव निवासी जॉनी शनिवार शाम अपने छोटे भाई की ससुराल से बाइक से घर लौट रहा था। चिरचिटा-किनौनी पुल से गुजरते समय अचानक बाइक फिसल गई, जिससे वह हिंडन नदी में जा गिरा। हादसे के करीब 24 घंटे बाद रविवार शाम उसका शव घटनास्थल से 4 किलोमीटर दूर मिला। दो घंटे तक ग्रामीणों ने की तलाशहादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल नदी में युवक की तलाश शुरू की। करीब दो घंटे तक अभियान चलाने के बावजूद जॉनी का कोई सुराग नहीं मिला। अंधेरा होने के कारण शनिवार शाम तलाश अभियान रोकना पड़ा।गोताखोरों ने शुरू किया सर्च ऑपरेशनरविवार सुबह गोताखोरों की मदद से नदी में दोबारा तलाश शुरू की गई। करीब 24 घंटे की मशक्कत के बाद रविवार शाम जॉनी का शव घटनास्थल से लगभग 4 किलोमीटर दूर बरामद कर लिया गया। शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।लावड़ से गांव लौट रहा था परिजनों के अनुसार, जॉनी गांव में मजदूरी करता था। शनिवार को वह अपने छोटे भाई पवन की ससुराल लावड़ गया था। वहां से बाइक से वापस चिरचिटा लौटते समय यह हादसा हुआ। जॉनी के दो बेटियां और एक बेटा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

27 साल के फोटोग्राफर को दोस्तों ने मार डाला

प्रयागराज में हाथ-पैर तोड़कर बैग में भरी लाश, 62 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश की पहाड़ी पर फेंका

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , 27 साल के फोटोग्राफर की 3 दोस्तों ने हत्या कर दी। पहले उसको गोली मारी, जो कंधे पर लगी।फिर हाथों से गला घोंट दिया। इसके बाद हाथ-पैर तोड़कर उसे एक बैग में भर दिया। आरोपी बैग को करीब 62 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश के रीवा ले गए। वहां सोहागी पहाड़ी पर फेंक दिया। पुलिस ने अपार्टमेंट के विडियो फुटेज खंगाले, तो मामले का खुलासा किया। इसमें 3 युवक फोटोग्राफर आलोक गुप्ता के फ्लैट से एक बड़ा बैग लेकर निकलते दिखाई दिए। पुलिस ने शुक्रवार को तीनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।पुलिस ने फोटोग्राफर की गर्लफ्रेंड को भी पूछताछ के लिए बुलाया है।पुलिस की मानें, तो आरोपियों ने महंगे कैमरे और अन्य गैजेट्स लूटने के लिए हत्या की थी।मामला धूमनगंज क्षेत्र का है।

11 को फोन बंद हुआ, 22 को रिपोर्ट दर्ज कराई

आलोक गुप्ता प्रतापगढ़ के कुंडा का रहने वाला था।पिछले कुछ साल से वह प्रयागराज के धूमनगंज स्थित अंबर अपार्टमेंट में किराए के फ्लैट में रह रहा था। वह फोटोग्राफर था। शादी समेत अन्य समारोहों में फोटोशूट का काम करता था। इसके साथ ही रील भी बनाता था। 10 अगस्त को आलोक अचानक कहीं लापता हो गया। 11 अगस्त की सुबह घरवालों ने उसके मोबाइल पर कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मोबाइल बंद था। इसके बाद घरवाले उसके फ्लैट पर पहुंचे, तो वहां ताला लगा मिला। काफी ढूंढने के बाद भी आलोक का पता नहीं चला। इस पर घरवालों ने 22 अगस्त को धूमनगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

विडियो में 3 युवक दिखे, हाथ में बड़ा बैग था

पुलिस ने आलोक को ढूंढने के दौरान अंबर अपार्टमेंट के विडियो की फुटेज खंगाली।

300 फीट ऊंचे बिजली टावर पर चढ़ा युवक

थाने से भगाया से तो गुस्से में चढ़ा, विडियो बनाकर बोला - बहन के साथ अन्याय... समझौता कैसे करूं

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,गुरुवार दोपहर नेशनल हाईवे के पास एक युवक 300 फीट ऊंचे हाईवोल्टेज बिजली के टावर पर चढ़ गया। मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन ऊंचाई होने के कारण आवाज नीचे साफ सुनाई नहीं दे रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। सुरक्षा के लिहाज से लोगों को पीछे हटाया। पुलिस और ग्रामीण लगातार उस व्यक्ति को समझा-बुझाकर सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिशों में जुट गए। युवक अपनी पुरानी शिकायत पर पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज था। उसका कहना था कि लगभग एक साल पहले दर्ज कराए गए मामले में अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आज भी थाने गया था, लेकिन कार्रवाई नहीं की और मुझे भी भगा दिया।मेरी बहन के साथ अन्याय हुआ है। समझौता कैसे करूं। मामला मऊआइमा के बादीपुर का है।ख्वाजा के सराय का निवासी अब्दुल रहीम एक पुराने मामले में गिरफ्तारी ने होने से नाराज था। आज दोहपर वह हाईवोल्टेज बिजली के टावर पर चढ़ गया। जिसके बाद नेशनल हाईवे पर ओवरब्रिज के पास हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। युवक खंभे के सबसे ऊपरी हिस्से तक पहुंच गया, जिससे उसकी जान सांसत में आ गई। युवक को इतनी ऊंचाई पर देखकर मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। खंभा काफी ऊंचा होने के कारण नीचे खड़े लोगों को युवक की आवाज साफ सुनाई नहीं दे रही थी।

मेरठ में दलित महापंचायत से पहले नेता हाउस अरेस्ट

ललिता गौतम के परिजन, सपा, भीम आर्मी सहित कई नेताओं को घरों में पुलिस ने रोका

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , कमिश्नरी पार्क में होने वाली दलित महापंचायत को लेकर पुलिस, प्रशासन पिछले दो दिनों से अलर्ट मोड पर था। इसके चलते शनिवार रात ही तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं, व्यापारी नेता और छात्र नेताओं को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर दिया। ये लोग महापंचायत में न आ सकें इसकी तैयारी पुलिस ने पहले ही कर ली थी।पुलिस ने रात से लेकर सुबह-सुबह ऐसे लोगों को उनके घरों मे ही रोक दिया गया। पुलिस का पहरा सभी के घरों पर लगाया गया। नेताओं को उनके घर से नहीं निकलने दिया गया न ही उन्हें पंचायत तक पहुंचने दिया गया।इसको लेकर नेताओं ने सोशल मीडिया पर काफी रोष भी जताया। वहीं ललिता गौतम के परिवार को भी पुलिस ने उनके घर पर हाउस अरेस्ट कर दिया। ललिता के पिता वेदप्रकाश सहित अन्य को घरों में ही रोक दिया। भीम आर्मी छात्र सभा के पश्चिम प्रभारी और छात्र नेता शान मोहम्मद को किठौर पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। शान मोहम्मद ने आरोप लगाया कि दिग्विजय भाटी, मोहित जाटव और रवि गौतम के साथ मारपीट के मामले में आईपीएस अविनाश पांडे के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर कमिश्नर चौराहे पर दलित महापंचायत का ऐलान किया गया था। सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह तानाशाही सरकार है, जो छात्रों, नौजवानों, दलितों और पिछड़ों का शोषण कर रही है।जीतू सिंह नागपाल ने कहा कि पीड़ित को न्याय दिलाना या उसकी मांग करना हक की लड़ाई लड़ना अब बहुत मुश्किल हो चुका है यह सब सत्ता का दुरुपयोग है

ललिता गौतम हत्याकांड- महापंचायत में सिर्फ 150 लोग पहुंचे

पिता बोले- बेटी पर राजनीति मत करो; दरोगा पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , दलित महापंचायत बुलाई गई। महापंचायत दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड और प्रदर्शन के दौरान पिटाई, गिरफ्तारी व मुकदमे के खिलाफ थी।युवा शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि गौतम ने कहा- यहां आने वाले मेरे हजारों समर्थकों को जिले की सीमाओं पर पुलिस ने रोका है।नेताओं को हाउस अरेस्ट किया है। उन्होंने कहा- दलित छात्रा के परिवार को न्याय मिले। प्रदर्शन करने वालों को पीटने वाले पुलिस अफसरों पर कार्रवाई हो। प्रदर्शन करने वालों पर दर्ज केस वापस हों, वरना अनिश्चिकालीन भूख हड़ताल करेंगे। महापंचायत के दौरान कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब कुछ युवा पार्क की दीवार फांदकर बाहर की ओर दौड़ पड़े। पुलिस ने उन्हें घेरकर रोक लिया।उन्हें चेतावनी दी कि सड़क जाम कम करना। महापंचायत में आ रहे कुछ युवकों ने दरोगा पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। सिटी विनायक गोपाल भोसले ने अनाउंसमेंट कर भीड़ से कहा कि किसी के बहकावे में मत आइए। कोई भी यहां मेरठ की शांति व्यवस्था, कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास न करे। कोई पुलिसवाला भी बदतमीजी नहीं करेगा। इसके अलावा उन्होंने ड्यूटी से गायब 7 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। हालांकि, आज महापंचायत में दलित समाज का कोई बड़ा चेहरा नहीं आया। करीब 150 लोग ही जुट पाए। इससे ज्यादा तो पुलिस और फअक्र के जवान (करीब 500) तैनात रहे। फोर्स ने ड्रोन से पूरे क्षेत्र की निगरानी की।उधर, दलित महापंचायत से पहले मृतक छात्रा ललिता गौतम के पिता वेदप्रकाश ने कहा- मेरी बेटी की हत्या को लेकर राजनीति की जा रही है। महापंचायत से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। ललिता की हत्या मेरे परिवार के लिए एक गंभीर घटना है, लेकिन मेरी बेटी के नाम पर किसी भी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए।रवि गौतम ने रढ सिटी विनायक गोपाल भोसले और एडीएम सिटी को मंच से अपना ज्ञापन दिया। सुबह 10.30 बजे से महापंचायत शुरू हुई थी जो लगभग शाम 5 बजे खत्म हुई। रवि गौतम ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा- जब तक तत्कालीन ररढ अविनाश पांडेय पर मुकदमा नहीं होगा, अन्य पुलिसकर्मियों पर एक्शन नहीं होगा, उनका धरना इसी तरह चलता रहेगा। पुलिस, प्रशासन को इस एक्शन के लिए 3 दिन का समय दिया है। अगर तीन दिन में एक्शन नहीं हुआ तो भूख हड़ताल करेंगे।

अंकित बालियान के परिवार से मिले सपा-भाजपा नेता

संगीत सोम और अतुल प्रधान दोनों पहुंचे, कहा- हत्यारों को मिलेगी सजा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की हत्या के बाद मेरठ के सपा और भाजपा नेता उनके परिवार से मिलने पहुंचे। सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान ने शामली के बंतीखेड़ा स्थित अंकित बालियान के घर पहुंचकर उनके पिता और परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को इस दुख की घड़ी में हरसंभव मदद का भरोसा दिया। वहीं, सरधना से पूर्व विधायक और भाजपा नेता संगीत सोम भी अंकित बालियान के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली और उन्हें ढांढस बंधाया। संगीत सोम ने कहा कि यह योगी जी की सरकार है। यहां हत्यारों को कोई पनाह नहीं है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और परिवार को न्याय मिलेगा। अतुल प्रधान बोले- दूसरे प्रदेश से आकर हो रही हत्याएं अतुल प्रधान ने अंकित बालियान को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल पिता और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में वह परिवार के साथ खड़े हैं और उनकी लड़ाई में हरसंभव सहयोग करेंगे। अतुल प्रधान ने कहा कि खुलेआम दूसरे प्रदेश से आकर हत्या की जा रही है। यह भाजपा सरकार के कानून व्यवस्था के दावों की पोल खोलता है। उन्होंने कहा कि इतनी गंभीर घटना के बाद भी अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है।

किसान को तलवार से काट डाला

जमीन पर गिरने के बाद नहीं उठे, गाजियाबाद में 'भाई' नहीं कहने पर हुआ झगड़ा

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,'भाई' कहकर न बुलाने पर हुए झगड़े में किसान की तलवार से काट कर हत्या कर दी गई। किसान के घरवाले दौड़कर जैसे उसे बचाने पहुंचे। पड़ोसियों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस दौरान दोनों परिवार के लोग आमने-सामने आ गए। दोनों ओर से लाठी-डंडे और तलवार-चाकू चलने लगे। मोहल्ले वालों से मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने किसान को मृत घोषित कर दिया। झगड़े में घायल दो लड़कों का इलाज चल रहा है। घटना के बाद से आरोपी फरार हैं। वारदात शाम 4 बजे मुरादनगर के कन्नौजा गांव में हुई कनौजा गांव का रहने वाला अजय शर्मा शाम करीब 4 बजे अपने घर से बाहर जा रहा था। तभी रास्ते में उसे पड़ोस में रहने वाला सोनू शर्मा मिल गया। अजय ने कहा- सोनू तू ठीक है? इसी बात पर सोनू नाराज हो गया। उसने गुस्से में अजय से कहा- तू मेरा नाम लेकर बोलेगा? सोनू भाई बोल। इसके बाद दोनों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते-देखते दोनों के बीच मारपीट होने लगी। इसी बीच सोनू ने अपने घरवालों को फोन लगा दिया। अजय ने भी लड़ाई के बीच अपने घरवालों और दोस्तों को फोन करके बुलाया। दोनों पक्ष हाथों में लाठी-डंडे, तलवार और चाकू लेकर मौके पर पहुंच गए। इसके बाद एक-दूसरे पर तलवार और चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान अजय के चाचा देवेंद्र के पेट और कंधे पर तलवार से गहरा जख्म हो गया। उनकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई एसीपी बोले- आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही पुलिस घायल अंकित ने बताया कि हमला करने वालों में मोहित शर्मा, सोनू शर्मा, मोहित, प्रिंस, विकास, दीपू शर्मा शामिल हैं। ये लोग हाथों में तलवार लेकर आए थे। घटना की सूचना पर एसीपी मसूरी सुनील भारद्वाज और डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी भी मौके पर पहुंचे। एसीपी मसूरी सुनील भारद्वाज ने बताया कि कन्नौजा में शाम करीब 4 बजे दो पक्षों में कुछ कहासुनी को लेकर आपस में विवाद हो गया। इसमें देवेंद्र शर्मा की इलाज के दौरान मौत हो गई।पीड़ित पक्ष की शिकायत पर एक हमलावर पर हत्या का केस दर्ज किया गया है।

एसएसपी ने आंख में लात मारी, उल्टा लटकाकर पीटा

किसान नेता दिग्विजय-मोहित जाटव अखिलेश से मिले, कहा- अभी केस दर्ज नहीं हुआ

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,किसान नेता दिग्विजय भाटी और मोहित जाटव की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दोनों लखनऊ पहुंचे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। अखिलेश यादव ने प्रेसवार्ता के दौरान दोनों पीड़ितों को मीडिया के सामने पेश किया। दोनों ने मेरठ एसएसपी कार्यालय में अपने साथ हुई कथित मारपीट और प्रताड़ना का पूरा घटनाक्रम बताया। दिग्विजय ने आंख में लात मारने से चोट लगने का आरोप लगाया। वहीं, मोहित ने कपड़े उतारकर पीटने और एनकाउंटर की धमकी देने का दावा किया। दोनों ने एसएसपी समेत अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

अखिलेश यादव बोले- कप्तान की हिम्मत कौन बढ़ा रहा?

अखिलेश यादव ने कहा- ये भाटी और गुर्जर नेता आए हैं।पुलिस कप्तान ने इनके साथ कैसा व्यवहार किया, यह गंभीर सवाल है। आखिर पुलिस कप्तान की हिम्मत कौन बढ़ा रहा है? उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों के माफिया आकर प्रदेश में गोली चला रहे हैं। दूसरे प्रदेश का माफिया आकर 18 गोलियां चला रहा है। उसके नाम को भी देखना चाहिए।

दिग्विजय बोले- हाथ जोड़कर अपमान न करने की गुहार लगाई

दिग्विजय भाटी ने बताया कि 19 अगस्त को मेरठ के एसएसपी अविनाश पांडेय ने उन्हें फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। मोहित जाटव से भी उनकी फोन पर बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि मिलने आ जाइए। मुलाकात के दौरान उन्होंने पूछा कि जाटव हो तुम? मुझसे कहा कि तू गुर्जर है इसके बाद कहा कि तुम तो साले बदमाश हो, तुम तो साले चोरी करते हो। उन्होंने हर बात में ह्यसालेह्न शब्द का इस्तेमाल किया। दिग्विजय ने कहा कि हमने हाथ जोड़कर उनसे कहा कि सर हमारा अपमान मत करिए। इस पर उन्होंने कहा कि आज तुम्हें नेता बनाता हूं। इसके बाद पकड़कर अंदर अपने पर्सनल केबिन में ले गए। वहां हमें फोन, हाथ और कोहनियों से बुरी तरह पीटा गया। जैसे ही मैंने पैर पकड़ने की कोशिश की, उन्होंने मेरी आंख में जोर से लात मार दी। इससे मेरी आंख फूट गई। उन्होंने कहा कि तुम्हें नेता बनाऊंगा। तुम अखिलेश जी से मिलकर आए हो न लखनऊ में। मोहित को भी पीटा गया। मेरी आंख से लगातार खून बह रहा था।

दिग्विजय भाटी बोले- हमें उल्टा लटकाया गया और डंडों से पीटा गया

दिग्विजय भाटी ने बताया कि हमारे पैर रस्सी से बांधकर हमें उल्टा लटकाया गया और डंडों से पीटा गया। हमने पीने के लिए पानी मांगा तो बोतल के ढक्कन में पानी लेकर हमारे मुंह पर फेंक दिया गया। हमारा अब तक मेडिकल भी नहीं कराया गया है। हम दोनों उसी दिन से बहुत परेशान होकर घूम रहे हैं।

दिग्विजय ने कहा कि हमें केवल इसलिए पीटा गया क्योंकि हम दलित और गुर्जर हैं। हम पीडीए से आते हैं, इसलिए वे हमसे चिढ़ते हैं। केवल अतुल प्रधान और अखिलेश यादव भैया ने हमारा साथ दिया है।

गर्लफ्रेंड ने हिंडन नदी में लगाई छलांग, बॉयफ्रेंड भी कूदा

युवक को बचाया गया, युवती अभी भी लापता, तलाश जारी

अमन लेखनी समाचार

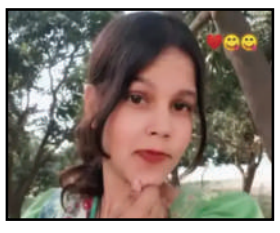

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा में शादी से इनकार करने पर एक युवती ने हिंडन नदी में छलांग लगा दी। उसे बचाने के लिए उसके प्रेमी ने भी नदी में कूद गया। स्थानीय लोगों ने प्रेमी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन युवती अभी भी लापता है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लापता युवती की तलाश में जुटी हुई है। यह घटना ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के कुलेसरा गांव स्थित हिंडन नदी पुल पर देर रात करीब 9 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, प्रेमी राहुल और प्रेमिका संजना (19) के बीच शादी को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर राहुल ने संजना से शादी करने से इनकार कर दिया।राहुल के इनकार से नाराज होकर संजना ने हिंडन पुल से नदी में छलांग लगा दी। संजना को बचाने के प्रयास में राहुल भी उसके पीछे नदी में कूद गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए राहुल को नदी से बाहर निकाल लिया। हालांकि, संजना का अभी तक कोई पता नहीं चल सका है।

ग्रेटर नोएडा में लाइसेंसी पिस्टल से चली गोली, किशोर घायल

चारपाई पर बैठे युवक के पिस्टल निकालते ही फायर हुआ, पेट में लगी

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर,ग्रेटर नोएडा के कासना कस्बे में रात लाइसेंसी पिस्टल से अचानक गोली चलने से 16 वर्षीय किशोर घायल हो गया। गोली प्रिंस उर्फ राजा के पेट में लगी। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने उसकी हालत सामान्य बताई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की। घायल किशोर के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पिस्टल रखने वाले विकल सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल लाइसेंसी पिस्टल भी बरामद कर ली है।

पिस्टल निकालते समय अचानक चली गोली

कासना थाना प्रभारी पंकज शर्मा के मुताबिक, शनिवार रात कासना कस्बे में प्रिंस उर्फ राजा (16) पुत्र दिनेश, निवासी अटारी, थाना टप्पल, जिला अलीगढ़, गोली लगने से घायल हुआ था शुरूआती जांच में सामने आया कि विकल सिंह पुत्र हरपाल सिंह के पास अपने भतीजे शिवा पुत्र सुखपाल की लाइसेंसी पिस्टल थी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 4 की मौत

ट्रक डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में कार से भिड़ा; लाशें सीटों से चिपकीं

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,जेवर में रात करीब 11 बजे यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में जा गिरा। इसके बाद सामने से गुजर रही कार से टकरा गया। हादसे में कार सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा जेवर थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। लाशें सीट से चिपक गईं। सूचना मिलते ही जेवर थाना पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को गेट काटकर बाहर निकाला।

एक्सप्रेस-वे पर लगा लंबा जाम

हादसे के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे पर यातायात ठहर गया। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस और राहत टीमों ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने का काम शुरू किया, जिससे यातायात सही कराया जा सके।

मृतकों की पहचान नहीं

पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गंगा नदी में बाढ़ से प्रभावित गोताखोर बाढ़ बचाव केन्द्र पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वर्तमान में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के फलस्वरूप उन्नाव जनपद के तटीय एवं निचले क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हैं, जिससे इन क्षेत्रों में जलजनित एवं संक्रामक रोगों के फैलने की आशंका बनी हुई है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के निदेशानुसार बाढ़ प्रभावित जनसंख्या को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चम्पापुरवा, एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सब्जी मंडी, शुक्लागंज, उन्नाव के तत्वावधान में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र स्थित गोताखोर बाढ़ बचाव केन्द्र पर एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के निवासियों को उनके निवास स्थल के निकट ही चिकित्सा परामर्श, आवश्यक औषधियाँ एवं टीकाकरण सुविधा उपलब्ध कराना तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु सतर्कता बनाए रखना रहा। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा घर-घर एवं शिविर स्थल पर पहुँचकर आमजन के स्वास्थ्य की जाँच की गई तथा आवश्यकतानुसार उपचार प्रदान किया गया। शिविर में कुल 104 मरीजों की गहन स्वास्थ्य जाँच की गई तथा उन्हें उनकी बीमारी के अनुसार आवश्यक औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 5 बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण किया गया, जिससे उन्हें बाल्यावस्था की गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान की जा सके। बाढ़ प्रभावित एवं जलमग्न क्षेत्रों तक पहुँच बनाने हेतु सरकारी नाव के माध्यम से चिकित्सा टीम द्वारा क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान नाव पर ही प्रभावित परिवारों को ओआरएस के पैकेट, जल शुद्धिकरण हेतु क्लोरीन टेबलेट तथा त्वचा संक्रमण से बचाव हेतु खुजली की दवा का वितरण किया गया, ताकि दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में रह रहे लोग भी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहें। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के निवासियों से अपील की कि वे बाढ़ के पानी के सम्पर्क में आने से यथासम्भव बचें, पेयजल को उबालकर अथवा क्लोरीन टेबलेट से शुद्ध करके ही प्रयोग करें, तथा किसी भी प्रकार के बुखार, दस्त अथवा त्वचा सम्बन्धी समस्या होने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र अथवा शिविर से सम्पर्क करें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि बाढ़ की स्थिति सामान्य होने तक इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का आयोजन क्षेत्र में निरन्तर किया जाता रहेगा तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु समस्त आवश्यक प्रयास किए जाते रहेंगे।

माइलस्टोन ग्लोबल स्कूल में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्नों ने मोहा मन, मटकी फोड़ कार्यक्रम में दिखा उत्साह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। गुरुवार को माइलस्टोन ग्लोबल स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके बाद विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में सजकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी और गोकुल की मनमोहक झांकियों का शानदार मंचन किया। विद्यार्थियों के नृत्य, भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर भक्तिमय हो उठा। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर अभिभावकों और शिक्षकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से कंस वध की लीला का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचार और अधर्म का अंत कर धर्म की स्थापना का संदेश दिया। उनका जीवन सत्य, धर्म, कर्म, साहस और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। विद्यालय परिसर में आकर्षक श्रीकृष्ण झांकी के साथ मटकी फोड़ कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मटकी फोड़ते समय बच्चों का उत्साह देखते ही बना। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावक और शिक्षक भी बच्चों की प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध नजर आए। चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति, संस्कारों और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन भगवान श्रीकृष्ण की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस दौरान पूरे विद्यालय परिसर में 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष गूंजते रहे। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, निदेशक जितेंद्र कुमार सिंह, प्रबंधक तृष्णा सिंह, प्रधानाचार्य रोहिणी, शशांक मिश्रा सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और अभिभावक मौजूद रहे।

खास समाचार

ककरवई के तालाब से पकड़ा गया मगरमच्छ, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

अमन लेखनी समाचार

ककरवई (झांसी) गरौठा तहसील क्षेत्र के ग्राम ककरवई स्थित मौर्या तालाब में मगरमच्छ होने की सूचना के बाद वन विभाग ने करीब पांच दिन पहले पिंजरा लगाकर निगरानी शुरू की थी। गुरुवार सुबह वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पिंजड़े में पकड़ लिया। बामौर रेंज प्रभारी जगदंबा पाठक के नेतृत्व में टीम ने मगरमच्छ को तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद उसे खिरिया घाट स्थित बेतवा नदी में सुरक्षित छोड़ दिया गया। मगरमच्छ पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और वन विभाग की कार्रवाई की सराहना की। रेस्क्यू अभियान में डिप्टी रेंजर हेमंत कुमार, वन दरोगा राजकुमार तिवारी, दीपराज, गजेंद्र सिंह, प्रीतम सिंह, वनरक्षक तेज प्रताप, रोहित कुमार सहित वन विभाग की टीम मौजूद रही।

कनहर नदी में मछली पकड़ने के लिए नाव लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कनहर नदी से संबंधित ग्राम भिसुर में सुरक्षा के दृष्टिगत मछली पकड़ने के लिए नाव लगाने पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। नदी में जलप्रवाह एवं संभावित जोखिम को देखते हुए प्रशासन द्वारा यह कदम उठाया गया है। स्थानीय चौकी इंचार्ज को क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने तथा प्रतिबंध का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से नदी में अनावश्यक रूप से जाने से बचने एवं सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में तेजी लाएं, 15 दिवस में हर हाल में पूरा करें कार्यः एडीएम

1365 गांवों में होना है डिजिटल क्रॉप सर्वे, 687 गांवों में कार्य शुरू।
सर्वे का मानदेय 5 से बढ़ाकर 10 प्रति हेक्टेयर किया गया।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा हेतु अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बगीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में खंड विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, उप निदेशक कृषि सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अपर जिलाधिकारी बगीश कुमार शुक्ला ने निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रम डिजिटल क्रॉप सर्वे को अभियान चलाकर तेजी से पूरा कराया जाए। उन्होंने बताया कि जनपद के 1365 गांवों में डिजिटल क्रॉप सर्वे कराया जाना है, जिसमें से 687 गांवों में सर्वे कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने बताया कि पूर्व में डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए प्रति हेक्टेयर 5 की धनराशि निर्धारित थी, जिसे शासन द्वारा बढ़ाकर अब 10 प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है। डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य में पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, कृषि विभाग के कर्मचारी एवं अन्य संबंधित कार्मिकों को सम्मिलित किया गया है।

'हनुमान अंश' के मेकर्स ने सिक्वल का किया ऐलान...!

हिंदी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

'नीम करौली' बाबा की जिंदगी के अनछुए पहलुओं को बयां करती फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता के बाद मेकर्स ने इस फिल्म के सीक्वल के निर्माण का ऐलान कर दिया है। छोटे बजट की फिल्म 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच रही है। महज 2 करोड़ रुपए के बजट में बनी यह फिल्म अभी तक सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। न सिर्फ फिल्म की कमाई बढ़ी है, बल्कि इसका क्रेज भी बहुत बढ़ा है। शुरू में जहां चंद स्क्रीन्स पर यह मूवी चलाई जा रही थी, वहीं अब इसे 5 हजार से ज्यादा स्क्रीन्स पर चलाया जा रहा है। सिर्फ 27 दिन में 'हनुमान अंश' मेकर्स का पैसा 28 गुना कर चुकी है। इस फिल्म की सफलता के साथ एक्ट्रेस पूर्णिमा तिवारी भी लगातार सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने नीम करौली बाबा की पत्नी का किरदार निभाया है, जिसमें उनकी सादगी, भावनात्मक अभिनय और 50 के दशक के लुक ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। इस फिल्म से अभिनेता शोभिनव सत्या भी उभर कर सामने आए हैं। नवोदित शोभिनव सत्या 'हनुमान अंश' में नीम करोली बाबा का किरदार निभाया है। उन्होंने FTII, पुणे से पढ़ाई की है। एक्टिंग के साथ वह असिस्टेंट डायरेक्टर, सेकंड यूनिट डायरेक्टर, स्क्रिप्ट और कंटिन्यूटी विभाग में काम कर चुके हैं। उन्होंने 'महापौर', 'CID', 'रागिनी एमएमएस' और 'हैप्पीली एवर आफ्टर' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया है। यशराज प्रोडक्शन हाउस की बहुचर्चित और 500 करोड़ के बजट की फिल्म 'टॉक्सिक' को 7वें दिन की कमाई में पछाड़ने वाली इस फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी हैं।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

पिता का साया उठा, विद्यालय ने थामा बच्चों का भविष्य

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। पिता के आकस्मिक निधन के बाद जब दो मासूम बच्चों की पढ़ाई पर संकट के बादल मंडराने लगे, तब एसबीएन इंटर कॉलेज, नारायणपुरी (रघुनाथखेड़ा) ने संवेदनशील पहल करते हुए उनके भविष्य की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा ली। विद्यालय प्रबंधन ने दोनों बच्चों को कक्षा 12 तक निशुल्क शिक्षा देने की घोषणा की सरोज कुमार के निधन के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। आर्थिक तंगी के कारण उनके बेटे अनुभव (कक्षा-4) और बेटी मुस्कान (कक्षा-7) की पढ़ाई बीच में छूटने की आशंका थी यह जानकारी मिलने पर विद्यालय के प्रबंधक अमरेन्द्र सिंह यादव ने दोनों बच्चों की 12वीं तक की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का निर्णय लिया। अमरेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि किसी बच्चे के सपने केवल इसलिए अधूरे नहीं रहने चाहिए कि उसके सिर से पिता का साया उठ गया है। शिक्षा ही बच्चों का सबसे बड़ा सहारा है और विद्यालय का प्रयास रहेगा कि दोनों की पढ़ाई बिना किसी बाधा के जारी रहे तथा वे अपने सपनों को साकार कर सकें विद्यालय की इस मानवीय पहल की क्षेत्रभर में सराहना हो रही स्थानीय लोगों ने इसे शिक्षा के साथ सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का प्रेरणादायक उदाहरण बताया है।

आउटसोर्स कार्मिकों को मिलेगा सम्मान, सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत कवच

मुख्यमंत्री जी के संबोधन का पंचायत रिसोर्स सेन्टर में हुआ सजीव प्रसारण, श्रमिकों एवं आउटसोर्स कार्मिकों ने सुना संबोधन

सफाई कार्मिकों को टूल किट एवं निर्माण श्रमिकों को डेमो चेक का किया गया वितरण।

श्रमिकों के हितों एवं सम्मान की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है प्रदेश सरकार-विधायक सदर।

प्रत्येक पात्र श्रमिक तक पहुंचे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ-जिलाधिकारी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। श्रम का सम्मान, सेवा की सुरक्षा और श्रमिक परिवारों के भविष्य को मजबूत आधार प्रदान करने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के क्रम में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी के संबोधन का विकास भवन स्थित पंचायत रिसोर्स सेंटर में सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में निर्माण श्रमिक एवं आउटसोर्स कार्मिक शामिल हुए मुख्यमंत्री जी के सम्बोधन के दौरान आउटसोर्सिंग कार्मिकों निगम के गठन व वेतन वृद्धि, चिकित्सा सुविधा और हित किये गये निर्णय की मुख्यमंत्री जी द्वारा की गयी घोषणा का उपस्थित कार्मिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किये और प्रसन्नता व्यक्ति किये। इस अवसर पर विधायक सदर भूपेश चौबे, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, ब्लॉक प्रमुख सदर अजीत रावत, मंत्री जी के प्रतिनिधि संजीव त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय आकांक्षा गौतम सहित संबंधित अधिकारी, निर्माण श्रमिक एवं आउटसोर्स कार्मिक उपस्थित रहे। विधायक सदर भूपेश चौबे ने कहा कि श्रमिक प्रदेश के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रदेश सरकार श्रमिकों एवं आउटसोर्स कार्मिकों के सम्मान, अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से श्रमिक परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने आज आउटसोर्स कार्मिकों की भर्ती व्यवस्था को ऑनलाइन, पारदर्शी एवं योग्यता और मेरिट आधारित बनाये जाने की जायेगी, रिक्रूटमेंट, पोस्टिंग, उपस्थिति, वेतन, ग्रेच्युटी, बीमा एवं अन्य सेवा लाभों का डिजिटल प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे पूरी व्यवस्था अधिक पारदर्शी रहे, उन्होंने कहा कि कार्मिक अपनी सर्विस डिटेल, बैंक खाता, उपस्थिति, भुगतान एवं वेतन से संबंधित कटौतियों की जानकारी एक ही स्थान पर देख सकेंगे। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि शासन द्वारा श्रमिकों एवं आउटसोर्स कार्मिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होने कहा कि कार्मिकों का वेतन सीधे उनके बैंक खाते में भेजा जाएगा तथा ई0पी0एफ0 और ई0एस0आई0 का अंशदान नियमित रूप से जमा कराया जाएगा।

सोनभद्र में 6 खनन पट्टों के पुनरावंटन हेतु ई-निविदा प्रक्रिया शुरू, 28 सितंबर तक आवेदन का मौका

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में निजी भूमि के अंतर्गत आने वाले 6 रिक्त खनन क्षेत्रों को 10 वर्षों की अवधि के लिए पुनः पट्टे पर देने की प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू हो गई है। कार्यालय जिलाधिकारी (खनिज अनुभाग), सोनभद्र द्वारा जारी सूचना के अनुसार 'उ०प्र० उप खनिज (परिहार) नियमावली, 2021' के तहत गिट्टी और बोल्डर के खनन पट्टों की स्वीकृति ई-निविदा (ऑनलाइन टेंडर) के जरिए की जाएगी। बंद पड़ी इन खदानों के दोबारा शुरू होने से जहां एक तरफ स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं राज्य सरकार को प्रथम वर्ष में ही रायल्टी के रूप में 3.26 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा। विज्ञप्ति के अनुसार ई-निविदा फार्म भरने की प्रक्रिया 23 सितंबर 2026 को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगी और इच्छुक निविदादाता 28 सितंबर 2026 की शाम 05:00 बजे तक अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। इसके पश्चात प्राप्त निविदाओं को 29 सितंबर 2026 को सुबह 11:30 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा खोला जाएगा। प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी आवेदन उत्तर प्रदेश सरकार के आधिकारिक ई-टेंडर पोर्टल (ँ३३स्र:/ीेल्लीि.४स्र.ल्लू.ल्ल) के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। देश का कोई भी नागरिक, पंजीकृत फर्म या कंपनी क्लास-3 डिजिटल सिग्नेचर के जरिए इसमें भाग ले सकती है। निविदादाताओं को प्रति खनन क्षेत्र 15,000 का आवेदन शुल्क (अप्रतिदेय) और प्रथम वर्ष की आंकलित रायल्टी का 25 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी के रूप में जमा करना होगा। पुनः लीज की इस प्रक्रिया में ओबरा और रॉबर्ट्सगंज तहसील के 6 विशिष्ट खनन क्षेत्रों को शामिल किया गया है। ओबरा तहसील के ग्राम बिल्ली मारकुंडी में पहला खनन क्षेत्र नीना गोस्वामी पत्नी स्व. अनिल गोस्वामी, सौरभ गोस्वामी व अन्य के नाम दर्ज है, जिसमें गाटा संख्या 5463, 5485, 5466, 5467क, 5552ख के 3.059 हेक्टेयर क्षेत्रफल में डोलो स्टोन खनन हेतु 24.75 लाख रुपये की अर्नेस्ट मनी तय की गई है। इसी ग्राम में दूसरा खनन क्षेत्र केदारनाथ पुत्र बसन्त व मुराहु पुत्र बसन्तु व अन्य की भूमि पर गाटा संख्या 6374, 5375मि०, 5377मि०, 5378मि० के 1.113 हेक्टेयर हेतु 7.425 लाख रुपये की धरोहर राशि पर जारी हुआ है। बिल्ली मारकुंडी में ही तीसरा क्षेत्र रमेश चन्द्र वैश्य व सरिम पुत्रगण कपूरचन्द वैश्य व अन्य के नाम दर्ज गाटा संख्या 4920मि०, 4921मि०, 4922मि०, 4923, 4934 आदि के 1.060 हेक्टेयर हेतु 16.791 लाख रुपये अर्नेस्ट मनी के साथ निविदा में शामिल है। इसके अलावा ओबरा तहसील के ग्राम सिन्दुरिया में फूलमति पत्नी गल्होरन व मंगरू पुत्र लुटावन व अन्य के नाम दर्ज गाटा संख्या 257 के 1.620 हेक्टेयर क्षेत्रफल हेतु 20.625 लाख रुपये की धरोहर राशि निर्धारित की गई है।

महिला लेखपाल के निलंबन पर भड़के लेखपाल, धरना

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। महिला लेखपाल रूचि मौर्या के निलंबन के विरोध में बुधवार को मोहनलालगंज तहसील में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले लेखपालों ने धरना-प्रदर्शन किया विरोध के चलते तहसील में राजस्व कार्य प्रभावित रहे लेखपालों ने एसडीएम पर अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाते हुए निलंबन तत्काल वापस लेने की मांग की तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार और मंत्री विकास दीक्षित ने एसडीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि रूचि मौर्या को बिना नोटिस निलंबित किया गया जबकि उन्होंने सर्पदंश से मृत व्यक्ति के मामले में आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराकर अगले ही दिन आवेदन का निस्तारण कर दिया था संघ का कहना है कि वारिसों के बाहरी निवासी होने और तकनीकी समस्या के कारण प्रक्रिया में विलंब हुआ। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि महिला लेखपाल नेहा कपूर को गंभीर रूप से बीमार पिता के बावजूद अल्प सूचना पर बैठक में बुलाया गया जबकि बाद में उनके पिता का निधन हो गया लेखपालों ने छुट्टी के दिनों में अनावश्यक बैठकें बुलाने, बिना कारण 12 लेखपालों का वेतन रोके जाने तथा बिल, एरियर और मेडिकल भुगतान लंबित होने का भी मुद्दा उठाया लेखपाल संघ ने चेतावनी दी कि यदि महिला लेखपाल का निलंबन वापस नहीं लिया गया तो शुक्रवार से पूर्ण कार्यबहिष्कार किया जाएगा। तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार ने कहा कि लेखपालों के साथ अमानवीय व्यवहार बंद किया जाए और निलंबन तत्काल वापस लिया जाए, अन्यथा आंदोलन और तेज किया जाएगा।

किन्नर के घर से नकदी-जेवर चोरी

दो चेलों पर आरोप, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस कर रही तलाश

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के बैरिसालपुर गांव में एक किन्नर के घर से 90 हजार रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया पीड़िता ने अपने ही दो चेलों पर चोरी का आरोप लगाया घटना के बाद दोनों आरोपित घर से निकलते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए पुलिस फुटेज के आधार पर उनकी तलाश में जुटी है। वही करिश्मा किन्नर के मुताबिक उनकी गुरु प्रियंका सिंह रघुवंशी 31 अगस्त को दो चेले, सोनी और सुरीली को चारबाग स्थित होटल से समझाकर बैरिसालपुर स्थित घर लाई थीं कुछ देर बाद गुरु अपने आवास चली गईं जबकि दोनों चेले घर पर ही रुक गए आरोप है कि देर रात दोनों घर में रखा पर्स लेकर फरार हो गए पर्स में करीब 90 हजार रुपये नकद, एक सोने की अंगूठी नाक की कील और दो जोड़ी चांदी की पायल रखी थीं। पीड़िता का कहना है कि वारदात के समय एक अज्ञात युवक मोटरसाइकिल लेकर बाहर खड़ा था जिसके साथ दोनों आरोपी फरार हो गए फोन पर संपर्क करने पर आरोपितों ने मुकदमा दर्ज कराने पर झूठे केस में फंसाने और जान-माल की धमकी भी दी पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। मोहनलालगंज कोतवाली प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश की जा रही जांच में सामने आने वाले तथ्यों के अनुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक-
श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक -
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब बाएं कंधे-सीने में अकसर महसूस हो दर्द

मेरी उम्र 53 वर्ष है। पिछले कुछ समय से रात में अकसर मेरे बाएं कंधे और सीने में दर्द होता है। कुछ देर बाद ठीक हो जाता है। कृपया बताएं कि यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-देवेंद्र, बालोद

आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, क्योंकि आप बता रहे हैं बाएं कंधे और सीने में दर्द होता है। कई बार यह दर्द हार्ट की वजह से भी होता है, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी करना ठीक नहीं है। और यह भी जरूरी नहीं कि सभी दर्द हार्ट की वजह से ही होते हैं। इसलिए आप हार्ट स्पेशलिस्ट से संपर्क जरूर कर लें, वह इसकी वजह जानकर ट्रीटमेंट शुरू करेंगे।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। हाल में ही अल्ट्रासाउंड से पता चला कि मेरी किडनी के पास कुछ सिस्ट हैं। क्या इसका ऑप्रेशन करवाना चाहिए या दवा से ठीक हो जाएगा? प्लीज सजेस्ट करें।

-रचित, बिलासपुर

ऐसे मामले में बगैर रिपोर्ट देखे कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सिस्ट कैसी है किस पोजीशन में है? इसकी जानकारी जरूरी है। इसलिए बेहतर होगा कि आप किसी जनरल फिजिशियन से संपर्क करें। वह रिपोर्ट देखकर डिसाइड करेंगे। उसी के अनुसार ही आप ट्रीटमेंट कराएं। बगैर डॉक्टर से संपर्क किए कोई भी ट्रीटमेंट ना शुरू करें। इससे नुकसान हो सकता है।

मेरी उम्र 26 वर्ष है। पिछले साल खेलते समय कलाई पर मोच आ गई थी। मालिश, पट्टी से आराम मिल गया था। लेकिन कुछ दिनों से कलाई में फिर दर्द हो रहा है। अब मुझे क्या करना चाहिए?

-लक्ष्य, बहादुरगढ़

बेहतर होगा कि आप एक बार कलाई का एक्सरे करा लें। कई बार ऐसे मामले में हेयर लाइनर फ्रैक्चर होता है, जो तुरंत समझ में नहीं आता लेकिन उसका असर बाद में दिखता है और दर्द शुरू होता है। इसलिए एक्स-रे कराकर आप हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। मैंने 5 महीने पहले हेयर ट्रांसप्लांट कराया था। पिछले कुछ दिनों से सिर में ईचिंग और इरिटेशन फील हो रही है। अब मुझे क्या करना चाहिए?

-सुमित, रायपुर

आप उस डॉक्टर से संपर्क करें, जिनसे हेयर ट्रांसप्लांट कराया हो, क्योंकि उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट के बाद होने वाली परेशानी के बारे में पता होगा और इसका इलाज क्या होता है वही अच्छी तरह बता सकते हैं। अगर आप नए डॉक्टर से संपर्क करेंगे तो वह पहले जांच कराएंगे, इसके बाद ट्रीटमेंट शुरू होगा।

मेरी उम्र 59 वर्ष है। मैं एक साल से पाइल्स की समस्या से परेशान हूं। पहले यह बादी था, लेकिन पिछले कुछ समय से खून भी आने लगा है। कृपया मेरी इस समस्या का स्थाई समाधान बताने का कष्ट करें।

-एक पाठक, ईमेल से

सबसे पहले काम आप यह करें कि मिर्च मसाला वाला खाना बिल्कुल बंद कर दें। साथ में चाय में अदरक, काली मिर्च, सोंठ पावडर इसका इस्तेमाल भी न करें। आपको खाना बिल्कुल सादा खाना चाहिए। रात में हल्का खाना खाएं। साथ ही नियमित रूप में पपीता खाने में जरूर शामिल करें। इस तरह खान-पान में बदलाव कर आपको आराम मिल सकता है। ज्यादा परेशानी होने पर जरूर आपको डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे दाएं कान और उसी तरफ सिर में रह-रहकर दर्द शुरू हो जाता है। कभी-कभी टीस के साथ कानों में घरघराहट जैसी आवाज आती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-विकास, भोपाल

आपको सबसे पहले कान के डॉक्टर से यानी ईएनटी विशेषज्ञ से कान का चेकअप करवाना चाहिए, क्योंकि कान में परेशानी होने से सिर दर्द भी शुरू होता है। आप इस बात पर गौर करें कि हाल फिलहाल में कान में कोई चोट तो नहीं लगी थी। अगर ऐसा नहीं है तो ईएनटी विशेषज्ञ के पास जाना ठीक रहेगा। इस बात का भी ख्याल रखें कि रोड में बैठे कान साफ करने वाले से कभी कान साफ ना कराएं। यह आपके लिए और भी नुकसानदेय हो सकता है। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

विभिन्न वजहों से होने वाले शारीरिक दर्द और सूजन से राहत दिलाने में हाल के वर्षों में फिजियोथेरेपी बहुत कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा कुछ न्यूरोलॉजिकल और चाइल्ड डेवलपमेंट से जुड़े मामलों में भी इफेक्टिव है। वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे (8 सितंबर) के अवसर पर एक्सपर्ट डॉक्टर बता रहे हैं इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में।

फिजियोथेरेपीः बिना साइड इफेक्ट्स दर्द और सूजन में मिले रिलीफ

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. सर्वोत्तम चौहान

चीफ फिजियोथेरेपिस्ट

प्रोग्नोसिया हेल्थकेयर, गुरुग्राम

फिजिकल थेरेपी (फिजियोथेरेपी) ऐसी चिकित्सा विधि है, जिसमें किसी दवा का इस्तेमाल नहीं किया जाता और न ही आमतौर पर इस थेरेपी के साइड और आफ्टर इफेक्ट्स होते हैं। आधुनिक फिजिकल थेरेपी जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द के अलावा लकवाग्रस्त हो चुके मरीजों की समस्याओं को दूर करने, अन्य न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स और दिल को स्वस्थ रखने वाले व्यायामों के जरिए राहत पहुंचाती है।

बढ़ रहा है इसका दायरा

फिजिकल थेरेपी (फिजियोथेरेपी) का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। जैसे, विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं के कारण जोड़ों या मांसपेशियों में लगने वाली चोटों या फिर उनसे होने वाले शारीरिक दर्द से राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी का सहारा अब काफी लिया जा रहा है। गौरतलब है कि जोड़ों से संबंधित कुछ बीमारियां जन्मजात होती हैं, जिनसे राहत पाने में फिजियोथेरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके अलावा जोड़ प्रत्यारोपण (ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट) के बाद भी फिजियोथेरेपी की जरूरत पड़ती है। खेलों के दौरान लगने वाली चोटों और उनसे राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी की मदद भी ली जाती है।

पूरक और एकल चिकित्सा दोनों

अनेक मामलों में फिजिकल थेरेपी पूरक चिकित्सा के तौर पर कार्य करती है तो वहीं कुछ ऐसे भी मामले होते हैं, जहां यह मरीज को एकल चिकित्सा के तौर पर राहत प्रदान करती है। सबसे पहले फिजिकल थेरेपिस्ट मरीज के दर्द का कारण क्या है, इसे जानने का प्रयास करते हैं। कारण का पता चलने पर फिजिकल थेरेपी से इलाज की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है।

सूजन व दर्द के नियंत्रित हो जाने के बाद फिजिकल थेरेपी की विभिन्न विधियां जैसे इलेक्ट्रोथेरेपी आदि का इस्तेमाल किया जाता है। इलेक्ट्रोथेरेपी से सूजन और दर्द में राहत मिलती है। कई तरह के इलेक्ट्रिक उपकरण हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में सहायक होते हैं। जैसे टीईएनएस, आईएफटी, पल्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थेरेपी, टीकार थेरेपी और अल्ट्रासोनिक थेरेपी। हाई पॉवर लेजर तकनीक फिजियोथेरेपी की आधुनिक उपचार विधि है।

सावधानी बरतना है जरूरी

शरीर के किसी भी अंग में तेज दर्द और बहुत ज्यादा सूजन होने पर फिजियोथेरेपी और इससे संबंधित गैजेट्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता, जब तक कि तेज दर्द की स्थिति नियंत्रण में नहीं आ जाती और मरीज राहत महसूस नहीं करता। दवाओं से सूजन और दर्द कम हो जाने के बाद ही फिजियोथेरेपी का मरीज पर इस्तेमाल किया जाता है।

अर्थराइटिस में दिलाए राहत

अर्थराइटिस का इलाज फिजियोथेरेपी से इन विधियों के जरिए अच्छी तरह से किया जाता है। विद्युतीय उपकरणों से मरीज को राहत देना, जिसे इलेक्ट्रोथेरेपी कहते हैं। ट्रांसक्यूटेनियस इलेक्ट्रिकल नर्व स्टिमुलेशन (टीईएनएस-टेंस), क्लास 4 हाई पॉवर लेजर थेरेपी अर्थराइटिस खासकर इंफ्लेमेटरी अर्थराइटिस के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने जाने वाली तकनीक है। फिजिकल थेरेपिस्ट के अनुसार सप्ताह में तीन बार लगभग 1 से 2 महीने तक लेने के बाद रोगियों को दर्द से राहत मिलती है। इसमें शामिल हैं- एक्सरसाइज थेरेपी, मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग, स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज, स्विस बॉल एक्सरसाइज, बैलेंस एक्सरसाइज, अल्ट्रासोनिक थेरेपी।

पीठ दर्द में मिलती है राहत

लंबे समय तक बैठे रहना, चलने-फिरने, उठने-बैठने और कार्य करने के दौरान गलत पोस्चर रखना, कमजोर मसल्स, पुरानी चोटें, लगातार पीठ दर्द का कारण बन सकती हैं। फिजियोथेरेपी का मकसद दर्द कम करना और मूवमेंट को बेहतर बनाना भी है। जरूरी इलाज में मूवमेंट कंट्रोल को बेहतर बनाने वाली एक्सरसाइज, एरोबिक कंडीशनिंग और खास मसल्स को मजबूत करने के साथ-साथ फ्लेक्सिबिलिटी पर काम करना शामिल हो सकता है।

पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में सहायक

स्ट्रोक के बाद व्यक्ति को कमजोरी, चलने-फिरने और शारीरिक संतुलन को स्थापित करने में दिक्कत होती है। स्ट्रोक के कारण प्रभावित हुए हाथ का इस्तेमाल करने में दिक्कत हो सकती है। यहां मरीज के रिहैबिलिटेशन का मकसद दिमाग और शरीर को फिर से चलना-फिरना सीखने में मदद करना है। फिजियोथेरेपी में टास्क-स्पेसिफिक ट्रेनिंग, स्ट्रेंथ एक्सरसाइज, मूवमेंट की बार-बार प्रैक्टिस, को-ऑर्डिनेशन और मोबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन की गई एक्टिविटीज शामिल हो सकती हैं।

डेवलपमेंटल डिले में हेल्पफुल

डेवलपमेंटल डिले या विकासात्मक विलंब वह स्थिति है, जब कोई बच्चा अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में शारीरिक, मानसिक, भाषा या सामाजिक कौशल (सोशल स्किल) सीखने में लगातार पीछे रह जाता है। फिजियोथेरेपी से ऐसे बच्चों की न्यूरो और सेरेब्रल पाल्सी सरीखी बीमारी के कारण होने वाली दिक्कतों या कुछ डिसऑर्डर्स को एक 'पर्सनलाइज्ड फिजियोथेरेपी प्रोग्राम' से फायदा हो सकता है। इलाज में उम्र के हिसाब से स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज, बैलेंस और कोऑर्डिनेशन एक्टिविटीज, चलने-फिरने की ट्रेनिंग, स्ट्रेचिंग और फंक्शनल या प्ले-बेस्ड थेरेपी शामिल हो सकती है, जिनका मकसद बच्चे को रोजमर्रा के कामों में ज्यादा आत्मनिर्भर बनाते हुए उसके चलने-फिरने और बैठने की क्षमता को बेहतर बनाना है। बच्चे की उम्र बढ़ने के साथ थेरेपी को बदला जा सकता है।

स्पोर्ट्स इंजरीज में लाभप्रद

खेलकूद में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति को चोट लग सकती है। खेल के दौरान उनके टेंडन या लिगामेंट में चोट लग सकती है, जिसके कारण उनके प्रभावित अंग में मोच, दर्द और खिंचाव आदि समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। फिजियोथेरेपी के जरिए ऐसे मामलों में सबसे पहले लक्षणों को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। स्पोर्ट्स इंजरी के इलाज में थेराप्यूटिक एक्सरसाइज, मोबिलिटी एक्सरसाइज, मैनुअल थेरेपी, बैलेंस स्थापित करने की ट्रेनिंग शामिल हो सकती है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

फिजिकल थेरेपी और पेन मैनेजमेंट

जोड़ों में दर्द या शरीर के किसी अन्य भाग में मांसपेशियों में सूजन व दर्द को नियंत्रित करने का कार्य फिजिकल थेरेपी करती है लेकिन इसके साथ ही दर्द को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ यानी पेन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट अपनी ओर से दवाएं और कुछ अन्य आधुनिक चिकित्सकीय विधियों का भी सहारा लेते हैं। उदाहरणस्वरूप अनेक मामलों में पेन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट फिजिकल थेरेपी के अलावा जोड़ों की समस्या से राहत पाने के लिए कार्टिलेज के पुनर्निर्माण (रीजेनरेशन) के लिए मरीज के रक्त से प्लेटलेट रिच प्लाज्मा (पीआरपी) लेकर उसी के शरीर में इंजेक्ट करते हैं। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में कार्टिलेज के पुनर्निर्माण में मदद मिलती है या एक बार फिर से कार्टिलेज के पुनः विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

फिजिकल थेरेपी दर्द के प्रबंधन (पेन मैनेजमेंट) में स्वतंत्र रूप से भी बतौर चिकित्सा पद्धति कार्य करती है, किंतु कुछ अनेक विशेष मामलों में पेन मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट फिजिकल थेरेपी के साथ दवाओं और आधुनिक तकनीक का सहारा लेते हैं। जैसे 'अल्ट्रासाउंड गाइडेड इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट' तकनीक से किसी अंग के दर्द वाले भाग की नसों को दर्द निवारक इंजेक्शन के जरिए अवरुद्ध कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप दर्द का एहसास कम हो जाता है।

डाइट सजेशन

अंशु सिंह

सोशल मीडिया के प्रभाव, पश्चिमी खान-पान और तेज जीवनशैली जैसी वजहों से आजकल हर उम्र के लोगों की डाइट हैबिट बिगड़ रही है। फल और सब्जियों के बजाय फास्ट फूड और जंक फूड्स हमारे हेल्थ पर बुरा असर डालते हैं। इसलिए इससे बचना जरूरी है।

आपकी डेली डाइट में हों पौष्टिक फल-हरी सब्जियां

सोशल मीडिया एवं टीवी विज्ञापन हमारे खान-पान को प्रभावित कर रहे हैं। पश्चिमी खान-पान का प्रभाव बढ़ गया है। इस कारण ही पैकेज्ड और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत में तेजी आई है। जबकि इन जंक फूड में विटामिन, खनिज और फाइबर जैसे पोषक तत्वों की भारी कमी होती है। इनमें वसा, नमक और चीनी (एचएफएसएस फूड) की मात्रा इतनी अधिक होती है कि वह स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

बच्चों पर बुरा असरः मीठे स्नैक्स एवं पेय अकसर दांतों की सड़न और कैविटी बढ़ाते हैं। नन्ही-सी उम्र में बच्चों के दांत खराब होने लगे हैं। वयस्क ही नहीं छोटे बच्चों को भी मधुमेह अपनी चपेट में ले रहा है। पाचन बाधित होने से पेट फूलने, कब्ज और दस्त संबंधी समस्याएं जन्म ले रही हैं। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, डायबिटीज से लेकर मोटापे की समस्या दिनों दिन विकराल होती जा रही हैं। कुछ मामलों में कैंसर का जोखिम भी बढ़ता दिखाई दिया है। इतना ही नहीं, ये प्रोसेस्ड एवं अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड प्रतिरक्षा प्रणाली को भी कमजोर कर रहे हैं। संक्रमण जल्दी होने से बीमारियों को आने में देर नहीं लगती। शारीरिक के साथ अवसाद एवं दूसरी मानसिक समस्याएं भी उत्पन्न होने लगती हैं।

कम हो रहीं फल-सब्जियांः स्वस्थ रहने के लिए फल, ताजी हरी सब्जियां, दूध-दही, अनाज, पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेड, ड्राई फ्रूट्स एवं खनिज पदार्थों की आवश्यकता होती है। लेकिन आज हमारी थाली से ये सारी चीजें गायब हैं। असल में जैसे-जैसे जिंदगी की रफ्तार तेज होती गई, तो लोगों की प्राथमिकताएं एवं आदतें भी बदलती जा रही हैं। नौकरीपेशा अभिभावकों के लिए अपने बच्चों में हेल्दी फूड हैबिट्स यानी सेहतमंद खान-पान एक चुनौती बनने लगी। समय कम रहने से सब कुछ फास्ट करने की आदत पड़ गई। यही लत खान-पान में भी लगी। फास्ट फूड की संस्कृति ऐसी विकसित हुई कि घर में खाना बनाने की जगह फास्ट फूड रेस्टोरेंट्स से भोजन आने लगा। फल की जगह केक-पेस्ट्री, चॉकलेट ने ले ली। स्वाद नमकीन करने के लिए चिप्स, पिज्जा या बर्गर खा लिया।

टीवी-मोबाइल देखते हुए खानाः लोगों की आदतें बदल गई हैं। पहले जहां फर्श पर बैठकर भोजन करते थे। खाने से पहले प्रार्थना करते थे। आज बिस्तर पर, टीवी, मोबाइल देखते हुए खाना खाते हैं। जब घर के बड़े ही डाइनिंग टेबल पर स्मार्टफोन या टीवी देखते हुए भोजन करते हैं, तो बच्चे क्या सीखेंगे? मोबाइल देखते हुए उन्हें आभास भी नहीं होता कि कितना खाना खा लिया। जंक फूड की लत इतनी बढ़ गई है कि अब किंग साइज बर्गर से कम में मन नहीं भरता। लोग प्रोसेस्ड फूड से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड तक पहुंच गए हैं।

माइंडफुल ईटिंग को मिले बढ़ावाः न्यूट्रिशन एवं वेलनेस एडवाइजर केतकी सिन्हा का कहना है कि समाज में खान-पान को लेकर जागरूकता लाने की आवश्यकता है। पैरेंट्स को बच्चों के सामने मिसाल पेश करनी होगी। जब बच्चे उनकी खुद की थाली में पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार देखेंगे, तो वे खुद ही प्रेरित होंगे। इन दिनों बच्चों से लेकर बड़ों तक को बींज इटिंग (टीवी या मोबाइल देखते हुए खाना) की लत लगी हुई है। इसे बंद करना होगा। भोजन करते समय समूचा ध्यान खाने पर हो। इसे ही माइंडफुल इटिंग कहते हैं। घरों के अलावा स्कूल-कॉलेजों, दफ्तरों में भी हेल्दी खान-पान को लेकर जागरूकता लानी होगी। बच्चों को बताना होगा कि घर का खाना कितना स्वास्थ्यवर्धक होता है, क्योंकि उसे पूरी स्वच्छता एवं प्यार से बनाया जाता है। हेल्दी खान-पान के अलावा एक्सरसाइज को डेली रूटीन में शामिल करना बहुत जरूरी है। सही पाचन प्रक्रिया के लिए रोजाना सभी के लिए पर्याप्त नींद लेनी भी बहुत जरूरी है।

भारतीय खान-पान में हुए बदलावः विगत पांच दशक में भारतीय लोगों के खान-पान में काफी बदलाव देखने को मिला है। इसे ये आंकड़े सिद्ध करते हैं-

- अनाज का सेवन 63 प्रतिशत से घटकर 57 प्रतिशत हो गया है।
- डेयरी, अंडे और पौधों की उपज का सेवन दोगुना हो गया है।
- चावल और अन्य अनाजों की खपत में भारी गिरावट हाल के वर्षों में देखी गई है।
- गेहूं की खपत में विगत कुछ वर्षों में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- चीनी और वसा के सेवन में भी 3 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

इससे साबित होता है कि हमारी डाइट हैबिट में किस तरह के बदलाव हुए हैं। इससे पाचन समस्याएं बहुत बढ़ी हैं। *

पौष्टिक खाने को अपनाना होगा

यह अजीब विडंबना है कि एक तरफ देश कुपोषण की समस्या से लड़ रहा है, तो दूसरी ओर मोटापे से जूझ रहे हैं लोग भी हैं। आंकड़े कहते हैं कि वर्ष 2050 तक भारत मोटापे की राजधानी बन जाएगा। क्योंकि बाजार एवं सोशल मीडिया हमारे खान-पान को प्रभावित कर रहा है। लोग अपनी बॉडी की जरूरतों को जाने बगैर इंफ्लुएंसर्स को आंखमूंद कर फॉलो कर रहे हैं। शरीर को जहां 50 से 60 फीसदी कार्बोहाइड्रेट की जरूरत है, वहां लोग 70 से 80 फीसदी कार्बोहाइड्रेट का सेवन कर रहे हैं। एनआईएच ने जो 'हेल्दी थाली' की व्याख्या की है कि उसमें आधी संख्या फल, एक चौथाई कार्बोहाइड्रेट, एक चौथाई प्रोटीन, नट्स एवं थोड़े फैट होने चाहिए। उसे कोई फॉलो नहीं कर रहा, क्योंकि जागरूकता ही नहीं है। प्रोसेस्ड, जंक, स्ट्रीट फूड के पीछे भाग रहे सभी, जबकि स्ट्रीट फूड में अत्यधिक ट्रांस फैट होता है, जो सेहत को नुकसान पहुंचाता है। एक और चीज ध्यान रखने की है कि लोग अकसर सुबह का नाश्ता स्किप करने की गलती कर बैठते हैं। ऐसा न करें, बल्कि राजाओं की तरह ब्रेकफास्ट करें। दोपहर का लंच सामान्य एवं रात का डिनर बहुत कम मात्रा में करें। प्रोसेस्ड फूड का सेवन बिल्कुल बंद कर दें। आपकी थाली में फल एवं हरी सब्जियां हों। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और डाइटिशियन से संपर्क करें।

-डॉ. चारू दुआ, सीनियर डाइटिशियन, फरीदाबाद

जवाब दे चुनाव आयोग

चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एक बार फिर चर्चा में नहीं, सवालों और विवादों में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर लाल लाइन फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं। दिल्ली में फरवरी-मार्च, 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवतः उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं। क्या वे सभी फर्जी जन-प्रतिनिधि हैं? इसका जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। उसने कुछ वर्गीकरण स्पष्ट किए भी हैं, लेकिन वे पर्याप्त और स्पष्ट नहीं हैं। काम या नौकरी के लिए कोई भी व्यक्ति बाहर जा सकता है। क्या उसकी अनुपस्थिति दिखा कर उसका मताधिकार छीना जा सकता है? महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव नवंबर, 2024 में हुए हैं। वहां करीब 9.78 करोड़ मतदाताओं ने विधानसभा के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे, लेकिन अब एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में 7.71 करोड़ मतदाताओं के ही नाम दर्ज किए गए हैं। अर्थात 2.07 करोड़ मतदाता, किसी भी कारण से, फर्जी करार दे दिए गए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र की घटनाएं, मताधिकार छीनने की कवायद, कोई सामान्य बात नहीं है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण का अधिकार दिया गया है, तो अनुच्छेद 326 में प्रत्येक वयस्क भारतीय नागरिक को मताधिकार का मौलिक अधिकार भी प्राप्त है। उसे चुनाव आयोग कैसे छीन सकता है? एसआईआर की अभी तक कवायद में 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं का मौलिक अधिकार छिन चुका है। सरकार की तो आंखें मिची हैं, क्योंकि उसकी पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीत रही है। कमोबेश सर्वोच्च अदालत तो निर्णायक हस्तक्षेप करे और नागरिकों को इस संवैधानिक आघात से बचाए। यहां पश्चिम बंगाल का उल्लेख करना भी प्रासंगिक है। वहां इसी मई, 2026 में विधानसभा चुनाव हुए हैं और भाजपा की पहली बार सरकार बनी है। चुनाव से पहले एसआईआर के तहत 27.16 लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगति श्रेणी में रखा गया था। यह श्रेणी किसी अन्य राज्य में नहीं बनाई गई। बहरहाल सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर ट्रिब्यूनल गठित किए गए। बीते दिनों तक 82,782 मामले ट्रिब्यूनल ने निपटाए हैं, जिनमें से 75,443 मतदाताओं के नाम और दावे सही पाए गए। गौरतलब यह है कि मालदा, उत्तर 24 परगना सरीखे क्षेत्रों में 100 फीसदी नाम सही पाए गए, लेकिन वे मतदाता वोट नहीं डाल पाए। बंगाल में कुल 91 फीसदी मतदाता सही पाए गए, जिनके नाम काट दिए गए थे, लेकिन विडंबना है कि करीब 7 लाख लोगों ने ही आपत्तियां और अपने दावे दर्ज कराए हैं। शेष 20 लाख कथित मतदाता कौन हैं, वे कहां हैं, आपत्तियां दर्ज क्यों नहीं कराईं? गंभीर सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग इतना खुदमुख्तार है कि 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दे और यह देश के सामने स्पष्ट न हो कि इतने व्यापक स्तर पर संवैधानिक मताधिकार क्यों छीन लिए गए? बिंदुवार जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। विपक्ष की कई पार्टियां इस मसले पर सवाल उठा रही हैं। लोकतंत्र में बेहतर यही होता है कि विपक्ष की आवाज को भी सुना जाए। चुनाव आयोग को यह भी प्रमाणित करना है कि उसने ये नाम दल विशेष की इच्छा पर नहीं हटाए हैं। चुनाव आयोग अगर यह प्रमाणित न कर पाया कि उसने सत्ता पक्ष के लाभ के लिए ऐसा नहीं किया है, तो उस पर लगे आरोपों को मजबूती मिलेगी। चुनाव आयोग को जल्द से जल्द इस मसले पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।